RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 20 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 3 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान, दो चरणों में होगी वोटिंग

दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों का इंतजार अब खत्म हो गया है। चुनाव आयोग ने गुरुवार को गुजरात की चुनावी तारीखों का ऐलान कर दिया है। पहले राउंड का मतदान 1 दिसंबर को होगा और दूसरे चरण की वोटिंग 5 दिसंबर को होगी। इसके बाद 8 दिसंबर को चुनाव का नतीजा आएगा। इसी दिन हिमाचल प्रदेश के चुनावी नतीजों का भी ऐलान होना है, जहां 12 नवंबर को एक ही राउंड में वोटिंग होने वाली है। गुजरात चुनाव में 2007 से ही दिसंबर में चुनाव होता रहा है और दो राउंड में वोटिंग की परंपरा रही है। चुनाव के ऐलान के साथ ही गुजरात में अधिसूचना लागू हो गई है। 14 नवंबर तक उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर सकते हैं और नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 17 नवंबर है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि गुजरात विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी को समाप्त हो रहा है, जिसमें अभी करीब 100 दिन बाकी हैं। 10 अक्टूबर, 2022 को राज्य में मतदाता सूचियों का प्रकाशन हो चुका है। इस बार 4.9 करोड़ मतदाता गुजरात चुनाव में वोट डालेंगे। उन्होंने कहा कि 1 अक्टूबर, 2022 तक 18 साल के होने वाले युवाओं को भी वोटिंग का मौका दिया जा रहा है। कुल 4.6 लाख वोटर ऐसे हैं, जो पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। राज्य में मतदान के लिए कुल 51,782 केंद्र बनाए जाएंगे। मतदान केंद्रों पर पीने के पानी की सुविधा होगी और बुजुर्गों के आराम के लिए वेटिंग एरिया भी बनाया जाएगा।

देरी का लगा आरोप

चुनाव आयोग ने गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान में देरी की ठोस वजह अब तक नहीं बताई है। पहले हिमाचल चुनाव की तारीखों के साथ ऐलान होना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछली बार (2017) बनासकांठा में बाढ़ देरी की वजह बनी थी। लेकिन, फिर भी चुनाव की तारीखों का ऐलान 25 अक्टूबर को कर दिया गया था। चुनाव दो फेज में हुए थे। इस बार मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग पर चुनाव की तारीखों में देरी का आरोप लगाया है।

आपराधिक बैकग्राउंड वाले उम्मीदवारों को देनी होगी अपनी डिटेल

गुजरात में करीब 9.80 लाख मतदाता ऐसे हैं, जिनकी आयु 80 साल से अधिक है। मतदाता यदि कहीं भी मनी पावर या मसल पावर का इस्तेमाल होता देखते हैं तो वे सी-विजिल ऐप पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत करने पर 100 मिनट के भीतर चुनाव आयोग की ओर से जवाब दिया जाएगा। यदि किसी उम्मीदवार का आपराधिक बैकग्राउंड है तो पार्टियों को बताना होगा कि उन्हें यही उम्मीदवार क्यों बेहतर लगा। इसके अलावा कैंडिडेट को प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर के मीडिया में अपने बारे में जानकारी प्रकाशित करनी होगी।

खास खबर...

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव एवं राज्योत्सव समापन आज हेमंत सोरेन होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव एवं राज्योत्सव का समापन समारोह आज शाम 6 बजे राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में होगा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मुख्य आतिथ्य और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में समापन समारोह संपन्न होगा।

समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू, संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, वन एवं परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, लोकसभा सांसद सुनील सोनी, संसदीय सचिव श्री चिंतामणि महाराज, विकास उपाध्याय, कुंवरसिंह निषाद और द्वारिकाधीश यादव, विधायक सत्यनारायण शर्मा, धनेन्द्र साहू, बृजमोहन अग्रवाल, कुलदीप जुनेजा सहित सांसद, विधायक, संसदीय सचिव, निगम मंडल, आयोग, जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महापौर उपस्थित रहेंगे।

हमारे सुआ नृत्य की तरह ही उत्तरप्रदेश में होता है झींझी नृत्य

रायपुर। दीपावली के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ में महिलाएं घर-घर जाकर सुआ नृत्य करती हैं उसी प्रकार उत्तर प्रदेश में थारू जनजाति भी झींझी देवी की आराधना में ऐसा नृत्य क्वांर और भादो के महीने में करती हैं। नई फसल आने के तुरंत बाद महिलाएं झींझी नृत्य करने घर घर जाती हैं। उनके सिर में कलश होता है और हाथों में दान लेने के लिए टोकरी। फिर सुआ गीत की तरह ही सुंदर गीत प्रस्तुत करती हैं और सुंदर झींझी नृत्य भी। बिल्कुल चटख रंगों के साथ और स्थानीय थारू आभूषणों के साथ उनकी साजसज्जा दर्शकों को चकित कर देती है। इसके बाद परंपरा अनुरूप झींझी का विसर्जन नदी में किया जाता है।

धान खरीदी शुरू होते ही सरकारी बरदाना गोदाम में लगी आग

लाखों का बारदाना जलकर हुआ राख

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। धान खरीदी शुरू होते ही सरकारी बारदाना गोदाम में भयंकर आग लगने से हड़कंप मच गया है। पाटन से लगे ग्राम सोरम के शासकीय बारदाना गोदाम में बुधवार अल सुबह भयंकर आग लग गई। जिससे लाखों का बारदाना जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा दुर्ग की टीम मौके पर पहुंची। अग्निशमन कर्मियों ने वहां पहुंचकर बड़ी मशक्कत से आग पर क़ाबू पाया।

आग लगने का कारण अज्ञात

पाटन थाना क्षेत्र के शासकीय बारदाना गोदाम में आग लगने का कारण फ्लिहाल अज्ञात है। अग्नि शमन कर्मी भगवती बंजारे, मुखतार अली, नगर सैनिक जवान ,संतोष ,रमेश ने बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। फ्लिहाल पुलिस आगजनी की घटना की जांच में जुट गई है।

हाईकोर्ट का नाम बदलने का मामला

पूर्व जज की दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें बॉम्बे हाईकोर्ट का नाम बदलकर महाराष्ट्र हाईकोर्ट करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने एक पूर्व जज की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा, ये मुद्दा कानून निर्माताओं को तय करना है। कोर्ट ने पूछा, आपके पास इसे यहां लेने का कौन सा मौलिक अधिकार है?

26 वर्षों तक जज के रूप में काम कर चुके ठाणे के वीपी पाटिल की ओर से याचिका दायर की गई थी। ाटिल ने मांग की थी कि अन्य राज्यों के संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिया जाना चाहिए कि वे अपने उच्च न्यायालयों के नाम उन राज्यों के नाम के अनुसार बदलें, जहां वे स्थित हैं।

महाराष्ट्र के लोगों की विशिष्ट संस्कृति, विरासत और परंपराओं के संरक्षण के लिए वीपी पाटिल ने 'महाराष्ट्र अनुकूलन कानून आदेश, 1960' (राज्य और समवर्ती विषय) के एक खंड के कार्यान्वयन के लिए प्रभावी कदम उठाने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की थी। पाटिल का कहना था कि महाराष्ट्र शब्द का उच्चारण एक महाराष्ट्रीयन के जीवन में विशेष महत्व को दिखाता है और इसके इस्तेमाल को उच्च न्यायालय के नाम पर भी अभिव्यक्ति मिलनी चाहिए।

नर्सरी के नन्हें बच्चों के सवालों का जबाव देने अधिकारी बने शिक्षक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पेंसिल पकड़ना सीखने वाले नौनिहालों में उत्सुकता सबसे ज्यादा होती है। उनके प्रश्न अद्भुत होते हैं और यदि उन्हें सही जवाब न मिला तो वो तब तक सवाल पूछते हैं जब तक कि वो संतुष्ट ना हो जाएं। अक्सर माता-पिता या टीचर छोटे बच्चों के सवालों से झुंझला भी जाते हैं या जवाब पता न होने पर टाल देते हैं। लेकिन सही जवाब मिले तो बच्चों की उत्सुकता रोमांच में बदल जाती है और वो बहुत तेजी से सीखते हैं।

ऐसा ही कुछ हुआ राज्योत्सव के पशुधन विकास विभाग के स्टाल में। यहां पर नर्सरी के स्कूली बच्चों को स्टाल घुमाने लाया गया था। इन नौनिहालों को पशुधन विकास विभाग के द्वारा लगाया गया गोधन न्याय योजना का स्टाल इतना पसंद आया कि बच्चों के सवालों की बौछार शुरू हो गई। स्कूल के शिक्षकों को लगा की बच्चे परेशान कर रहे हैं तो उन्होंने बच्चों को चुप रहने की बात कही। लेकिन स्टाल में तैनात पशुधन विकास विभाग के अधिकारियों को इन मासूमों की उत्सुकता बेहत पसंद आई और इसे देखते हुए वहां मौजूद अधिकारी खुद शिक्षक बन गए। पशुधन विभाग के अधिकारियों ने न सिर्फ शिक्षक बन कर बच्चों के सवालों के जवाब दिए बल्कि बातों ही बातों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और पशुधन से होने वाले लाभ के बारे में भी बच्चों को जागरूक कर दिया।

बदलाव! ट्विटर खरीदने के बाद एलन मस्क बना चुके है हजारों कर्मचारियों को निकालने की योजना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदने के बाद एलन मस्क ने कंपनी में आधारभूत बदलाव शुरू कर दिए हैं। पहले ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल समेत सभी बड़े अधिकारियों का निलंबन और फिर पूरे निदेशक बोर्ड को हटाने के बाद अब मस्क कंपनी की वर्कफोर्स यानी कर्मचारियों की संख्या भी घटा सकते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो एलन मस्क ट्विटर से 3700 कर्मचारियों को निकालने की योजना बना चुके हैं।

जामुल में तालाब में डूबने से 20 साल के युवक की मौत

एसडीआरएफ के गोताखोरों ने डीप डाइविंग कर निकाला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई. जामुल से लगे ग्राम खेदामारा में एक बीस साल के युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना बुधवार देर शाम की है। जामुल पुलिस की सूचना पर मौके पर नगर सेना और एसडीआरएफ दुर्ग की टीम पहुंची। एसडीआरएफ के गोताखोरों ने देर शाम डीप डाइविंग करके कड़ी मशक्कत के बाद शव को तालाब से बाहर निकाला। जिसके बाद पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। फ्लिहाल घटना कैसे हुआ इसका खुलासा नहीं हो पाया है।

गहरे तालाब में बॉडी को ढूंढना था बड़ा चैलेंज

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान विकास यादव, पिता कुमार यादव, उम्र 20 वर्ष, ग्राम खेदामारा के रूप में की गई है। अंधेरा होने के कारण गहरे तालाब में बॉडी को ढूंढना बड़ा चैलेंज था। ऐसे में एसडीआरएफ की टीम ने अपने कौशल का उपयोग करते हुए इस मुश्किल काम को डीप डाइविंग से आसान बनाया। इस रेस्क्यू अभियान में जिला सेनानी अग्निशमन अधिकारी आपदा अधिकारी नागेन्द्र कुमार सिंह, एसडीआरएफ के हवलदार रूपराम टंडन, राजकुमार यादव, राजेश यादव, ओंकार, राजू महानंद, दिलीप कुमार, शकील खान शामिल थे।

सफाई के वक्त गिरी दीवार, हादसे में गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के कोटा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पटैता में 45 वर्षीय व्यक्ति के ऊपर घर की पुरानी दीवार गिर गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन तत्काल उसे घायल अवस्था में ही इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोटा लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरो ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

दरअसल मिली जानकारी के अनुसार कोटा क्षेत्र के ग्राम पटैता निवासी राकेश मल्होत्रा नामक व्यक्ति अपने घर पर सफाई का काम कर रहा था। तभी अचानक काम के दौरान घर की पुरानी दीवार भरभराकर राकेश के ऊपर गिर गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घर पर मौजूद परिजनों ने तत्काल दीवार का मलबा हटाकर उसे बाहर निकाला और आसपास के लोगों की मदद से परिवार वाले इलाज के लिए कोटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। कोटा पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर कार्यवाही के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है।

700 किलोमीटर दूर से देखा सुईसाइड

श्रीकंचनपथ

इंदौर में एक महिला अपने कमरे में फांसी लगा रही थी और उसका पति भिलाई में बैठा यह दृश्य अपने मोबाइल पर देख रहा था. वह देख रहा था पर लाचार था, इतनी दूर से वह कर भी क्या सकता था. उसने पड़ोसी को फोन लगाया पर जब तक वह दरवाजा तोड़कर भीतर जाता, महिला की मौत हो चुकी थी. इस घटना का एक स्याह पहलू और है. कुछ समय पहले तक पूरा परिवार इंदौर में ही रहता था. बीसी और फंडिंग रैकेट में उलझना इन्हें महंगा पड़ गया. बीसी खिलाने वाले ने धोखा दिया तो वो लोग छाती पर चढ़ गए, जिन्होंने इनके कहने पर पैसा लगाया था. जब बीसी और फंडिंग में लगा पैसा अटक गया तो निवेश करने वाले धमकियां देने लगे. कुछ लोगों ने घर पर हमला भी किया. बड़ी बीसियों का अंत अकसर ऐसे ही होता है. गली मोहल्लों की छोटी बीसियों में भी मनमुटाव होता है और कल तक के दोस्त एक दूसरे की जान के दुश्मन बन जाते हैं. पर इसके बाद महिला ने जो किया उसकी कोई कल्पना तक नहीं कर सकता. महिला ने इस पूरे झमेले की जिम्मेदारी स्वयं ले ली और पति और बेटी को सुरक्षित भिलाई भेज दिया. जबकि ऐसे संकटकाल में आम तौर पर होता यही है कि पति सामने आ जाता है और पत्नी-बेटी को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर देता है. पर इस मामले में ऐन उलटा हुआ. इसे समझने के लिए आधुनिक मनोवृत्ति को समझना होगा. बैंकिंग सेक्टर ने चाहे जितनी तरक्की कर ली है पर उसका आकर्षण खत्म हो चुका है. सेफइंवेस्टमेंट के चक्कर में सरकारी बैंक आम आदमी के किसी काम के नहीं रहे. वो केवल सरकारी वेतन पाने वालों पर मेहरबान हैं. शेष आबादी निजी बैंकों के भरोसे हैं. यहां ब्याज दर ऊंचा हो सकता है पर जरूरत पड़ने पर ऋण मिल जाता है. जिन सूदखोरों से लोगों को बचाने बैंकों की स्थापना की गई थी, वह भी अब रूप बदलकर सामने आ गए हैं. इन्होंने अपना-अपना कार्यक्षेत्र बांट रखा है. कोई सिर्फ वाहन फाइनेंस करता है तो कोई मकान. मोबाइल फोन से लेकर राशन, कपड़े, जूते तक का बड़ा बाजार अब ईएमआई पर आ टिका है. फिर भी कुछ जरूरतें ऐसी होती हैं जिनके लिए कोई भी फायनेंस उपलब्ध नहीं है. फाइनेंस कंपनियां इन जरूरतों के लिए पर्सनल लोन देती हैं. पर्सनल लोन पर ब्याज दरें सूदखोरों से भी ज्यादा हैं. लाख रुपए का पर्सनल लोन लेकर सूदसमेत दो लाख रुपए चुकाता है. इसलिए गृहिणियां बीसी खेलती हैं. जब-जब पैसा मिलता है कोई बड़ी चीज खरीद लेती हैं. पर बीसी का यह खेल तब महंगा पड़ जाता है जब आपकी पहचान आपकी औकात से बड़ी हो. महिला इंटीरियर डिजाइनर थी. उसके बड़े बड़े क्लायंट थे. इसके चलते बीसी बड़ी होती चली गई और स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई. और एक हंसता खेलता परिवार बर्बाद हो गया.

सीपत एनटीपीसी में बड़ा हादसा, स्टोरेज टैंक फटने से टेक्नीशियन की मौत, प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर सीपत स्थित एनटीपीसी में बड़ा हादसा हो गया। यहां मल्चिंग मशीन की टेस्टिंग करते समय स्टोरेज टैंक फट गया, जिससे एक कर्मचारी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त कर्मचारी अकेला काम कर रहा था।घटना की खबर देर शाम को एनटीपीसी से बाहर आई, यहां कर्मचारियों की संख्या ज्यादा होती तो गंभीर हादसा हो जाता। इस हादसे के बाद गुस्साए कर्मचारियों के साथ ही स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा मचाया और एनटीपीसी प्रबंधन पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए।

जानकारी के अनुसार घटना बुधवार दोपहर की है। गतौरा निवासी नरेंद्र मिश्रा एनटीपीसी जूनियर टेक्नीशियन थे। वे रोज की तरह सुबह अपनी ड्यूटी पर पहुंचे थे। काम करते समय अचानक स्टोरेज टैंक में जोरदार ब्लास्ट हो गया। इस विस्फोट के बाद नरेंद्र मिश्रा के सिर में गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि जिस जगह पर नरेंद्र मिश्रा काम कर रहे थे, वे अकेले थे। अचानक विस्फोट की आवाज सुनकर कर्मचारी दहशत में आ गए और इधर-उधर भागने लगे। कुछ देर बाद कर्मचारी वहां पहुंचे, तब पता चला कि इस हादसे में नरेंद्र मिश्रा गंभीर रूप से घायल पड़े थे। इस घटना की जानकारी मिलते ही प्रबंधन ने एंबुलेंस से उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया। लेकिन, उनकी मौत हो चुकी थी।

इस हादसे की खबर नरेंद्र मिश्रा के परिजन को दी गई। वहीं हादसे की खबर एनटीपीसी कर्मियों और आसपास के लोगों को मिली। तब लोगों की भीड़ एनटीपीसी अस्पताल पहुंच गई। यहां भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी पहुंच गए। उन्होंने प्रबंधन पर मामले को दबाने और सुरक्षा उपाय में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा मचाया और धरने पर बैठ गए। एनटीपीसी के अफ्सर उन्हें समझाइश देकर शांत कराने की कोशिश करते रहे।

संपादकीय

विचारधारा और जनमत

दुनिया में एक ही साथ अनेक विचारधाराओं की सक्रियता जहां स्वाभाविक लगती है, वहीं इससे राजनीतिक चिंतन को भी विस्तार मिलता है। पिछले एक पखवाड़े की ही बात करें, तो अनुदार वामपंथ की पूरी दबंगई हमने चीन में देखी है और उसके बाद अब ब्राजील में समाजवादी-वाम विचारधारा कड़े संघर्ष में आगे आ गई है। हालांकि, सबसे ताजा मामला इजरायल का है, जहां पर दक्षिणपंथ की वापसी होती दिख रही है। इजरायल के पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की रूढ़िवादी लिकुड पार्टी की बढ़त से लगता है कि वहां अपेक्षाकृत उदारवादियों से लोगों का विश्वास कम हुआ है। इजरायल की चिंता दूसरी तरह की भी है। वहां तीन साल में पांचवीं बार चुनाव हुए हैं। वहां लोगों को स्थिर सरकार का इंतजार है, लेकिन लोग अपनी इच्छाओं और जनादेश के मामले में बहुत बंटे हुए हैं। इस कट्टर यहूदी देश में दक्षिणपंथ के प्रति लोगों का झुकाव बढ़ा तो है, लेकिन इतना भी नहीं बढ़ा कि पूरी सत्ता उसके हाथ में थमा दें। उधर, ब्राजील में लूला द सिल्वा ने सत्ता में एक अंतराल के बाद वापसी की है। वह एक दशक बाद व भ्रष्टाचार के आरोपों के खारिज होने के तीन साल बाद सत्ता में लौटे हैं। लूला जेल में एक साल से अधिक समय बिता चुके हैं। उन्होंने चुनाव के दौरान महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला जैसे नेताओं का नाम भी लिया था, जो अपने समय में जेल गए थे। वैसे लैटिन अमेरिका में सबसे अधिक आबादी वाले और सबसे बड़े देश ब्राजील में लूला की सत्ता में वापसी को पर्यावरण सुरक्षा और सामाजिक न्याय की जीत माना जा रहा है। ब्राजील में दक्षिणपंथी जायर बोल्सोनारो को सत्ता से जाना पड़ा है और अब उन पर जेल जाने का खतरा मंडरा रहा है। उनका प्रचार अभियान भी इस अतिरेक के साथ चल रहा था कि जिता दो या जेल व मौत तय है। लोगों ने उन्हें हरा दिया है, लेकिन बहुत मामूली अंतर से। लूला को 50.9 प्रतिशत और बोल्सोनारो को 49.1 प्रतिशत मत मिले हैं। लूला के लिए चुनौतियां कम नहीं हैं। क्या वह इस बात को भुला देंगे कि पिछली सरकार ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया था? सवाल यह भी है कि ऐसी हार से बोल्सोनारो या दक्षिणपंथी क्या सबक लेंगे?

“ वैसे लैटिन अमेरिका में सबसे अधिक आबादी वाले और सबसे बड़े देश ब्राजील में लूला की सत्ता में वापसी को पर्यावरण सुरक्षा और सामाजिक न्याय की जीत माना जा रहा है। ब्राजील में दक्षिणपंथी जायर बोल्सोनारो को सत्ता से जाना पड़ा है और अब उन पर जेल जाने का खतरा मंडरा रहा है। उनका प्रचार अभियान भी इस अतिरेक के साथ चल रहा था कि जिता दो या जेल व मौत तय है। लोगों ने उन्हें हरा दिया है, लेकिन बहुत मामूली अंतर से। लूला को 50.9 प्रतिशत और बोल्सोनारो को 49.1 प्रतिशत मत मिले हैं। लूला के लिए चुनौतियां कम नहीं हैं। क्या वह इस बात को भुला देंगे कि पिछली सरकार ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया था?

ऐसे कौन से संकेत इन चुनाव परिणामों से उभर रहे हैं? मूल समस्या कहां है? दरअसल, सबसे कारगर पैमाना जनसेवा है। लोगों को जहां भी परेशानी हो रही है, वे वहां सत्ता में बदलाव कर रहे हैं। नेताओं या सत्ताधीशों को यह बात अच्छी तरह से समझ लेनी चाहिए कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना सबसे जरूरी है। लोकतंत्र को बचाना है, तो लोकतंत्र का सोलह आना सम्मान भी करना होगा। लोग भूले नहीं हैं, दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप अपनी चुनावी हार स्वीकारने को तैयार नहीं हो रहे थे, ब्राजील में भी बोल्सोनारो को हार पचाने में बहुत तकलीफहो रही है। दअरसल, विचारधारा कोई भी हो, जनादेश का सम्मान करना ही होगा। यह समझना होगा कि लोगों को विचारधारा से ज्यादा मतलब नहीं है, उन्हें विकास और अपनी बेहतरी से मतलब है। लोकतांत्रिक देशों के लोगों को भी परिपक्वता का परिचय देना चाहिए। लोगों का आपस में विमर्श कम हो रहा है, शायद इसीलिए ज्यादातर जगह लोग किसी एक मत या आम सहमति या स्पष्ट बहुमत तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। आज दुनिया में किसी राजनीतिक संगठन का कट्टर समर्थक होने के बजाय अपने देश-समाज का सजग हितैषी होना ज्यादा जरूरी हो गया है।

छोटी-छोटी बातों पर दौडता दिमाग!

भारत में तो बाल्टी में पानी भरकर मग से नहाते थे पर कनाडा में न तो किसी के यहां बाल्टी देखी और न ही मग नजर आया। बैठने के लिए प्लास्टिक का पटरा तक नहीं देखा। वहां न्यूनतम तापमान करीब 7 डिग्री रहता है। पानी बहुत ठंडा होता था। नहाने के पहले शावर के पानी की टोटी गरम करनी पड़ती थी। मगर जैसे ही पानी शुरु करता शुरु में करीब आधा मिनट तक ठंडे पानी की बौछार आती फिर गरम पानी आना शुरु होता व ठंडे पानी की बौछार के कारण ठिठुर जाता।

वैसे तो कनाडा में मौसम से लेकर साफ सफाई सब गजब है परंतु घरों के वातानुकूलित होने व 24 घंटे तक गरम पानी उपलब्ध रहने के बाद भी सुबह नहाते समय अजीब सी हिकारत का सामना करना पड़ता था। भारत में तो बाल्टी में पानी भरकर मग से नहाते थे पर कनाडा में न तो किसी के यहां बाल्टी देखी और न ही मग नजर आया। बैठने के लिए प्लास्टिक का पटरा तक नहीं देखा। वहां न्यूनतम तापमान करीब 7 डिग्री रहता है। पानी बहुत ठंडा होता था। नहाने के पहले शावर के पानी की टोटी गरम करनी पड़ती थी। मगर जैसे ही पानी शुरु करता शुरु में करीब आधा मिनट तक ठंडे पानी की बौछार आती फिर गरम पानी आना शुरु होता व ठंडे पानी की बौछार के कारण ठिठुर जाता।

दूसरी अहम समस्या कपड़ों के सुखाने की थी। वहां कपड़ों की मशीन में धोने के बाद उन्हें वहीं निचोड़ कर बाहर निकाला जाता है उनका पानी तो निकल जाता है मगर हल्की नमी सी रहती है। वहां धूप बहुत कम निकलती है। हफ्ते में 5 दिन तो बादल छाए रहते है और बारिश होती रहती है। हालांकि मैंने कहीं भी बारिश के कारण सड़क पर न तो पानी भरते देखा और न ही खराब सड़के देखी। वहां बेटा जहां रहता है उसकी सोसायटी समेत हर सोसायटी में धुलाई के बाद कपड़ों को खुले में सुखाना मना है। इसे असभ्य माना जाता है बल्कि ऐसा करने पर प्रबंधक द्वारा जुर्माना भी कर देते हैं। बालकनी में न तो कपड़े सुखाने वाला स्टैंड रखा जा सकता है और न ही वहां डोरी बांध कर कपड़े सुखाए जा सकते हैं।

भारत में हम तेज धूप में सूखी तौलिया व कपड़े का उपयोग करने के आदी थे जबकि वहां धूप में कपड़े सुखाने की कल्पना तक नहीं कर सकते थे। वहां घर का कूड़ा इकट्ठा करने के लिए हर भवन में नीचे पार्किंग की जगह पर कूड़ेदान रखे हुए हैं व पत्नी ही हर रोज उसमें कूड़ा डाल आती थी। मैंने कभी ऐसा नहीं किया क्योंकि लिफ्ट से लेकर वहां का दरवाजा तक कंप्यूटर से खुलता था व मुझे इस बात का डर था कि अगर मैं जरुरी नंबर भूल गया गया तो मुझे सारा दिन नीचे घर के बाहर ही खड़ा रहना पड़ जाएगा। वहां नियमित रूप से कूड़ा एकत्र किया जाता है व कागज डब्बो, गीले कूड़े के बाक्स अलग अलग होते हैं। वहां हर साल हर इलाके में एक दिन तय किया जाता है व अपने घर की अवांछित वस्तुएं घर के बाहर रख देते हैं। कुड़ा उठाने वाली गाड़ी उन्हें उठाकर ले जाती हैं।

मैंने पाया कि बाहर रखा गया कुछ सामान तो बहुत अच्छी हालत में था। इसमें पुराने फर्नीचर से लेकर लोहे का सामान तक शामिल था। वहां रद्दी और पुराना सामान कोई भी नहीं खरीदता है। बियर व दूध की बोतलों को उसके विक्रेता चंद सिक्को के बदले वापस ले लेते हैं। दूध आमतौर पर तीन लीटर की क्षमता वाले प्लास्टिक के जारों में बिकता है व कई स्वाद वाला होता है।

“ टाटा स्टील के साथ अपने समय के दौरान मुझे कॉरपोरेट जगत के साथ तालमेल बिठाने में मदद करने में उनका लगातार सहयोग याद है। वह जिस धातु के उत्पादन से जुड़े थे, उसकी अनेक विशेषताओं से भी सराबोर थे। इस्पात के साथ वह बहुत चाव से जुड़े थे और उन्होंने अपने फौलादी इरादों का कई बार इजहार किया। उनमें दृढ़ संकल्प भी था और पर्याप्त लचीलापन भी, जो उन्हें तमाम बाधाओं पर विजय दिलाता था।

फौलाद सी हस्ती जमशेद जे ईरानी

अजय कुमार, राजनेता व पूर्व आईपीएस

मंगलवार की सुबह जब मैं जगा, तब डॉक्टर जमशेद जे ईरानी के दुनिया से चले जाने की दुखद सूचना मिली। वह एक ऐसे शख्स थे, जिनकी मैं पहले हमेशा दूर से प्रशंसा किया करता था, लेकिन पिछले तीन दशकों में उन्हें घनिष्ठ रूप से जानने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अब एक असाधारण गुरु के साथ न होने का सिर्फ दर्द ही नहीं हो रहा, एक बुद्धिमान पुराने दोस्त के चले जाने की पीड़ा बहुत तीव्रता से महसूस हो रही है। यह उनकी पत्नी डेजी ईरानी, उनके तीन बच्चों, जुबिन, नीलोफर, तनाज और उनके प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करने का समय है।

एक लेख भर की यह जगह जमशेद जे ईरानी की पूरी विरासत को बताने और व्यक्तिगत रूप से मेरे जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों को दर्शाने के लिए अत्यंत सीमित है। सर जे जे ईरानी, जैसा कि उन्हें सन 1997 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा मानद नाइटहुड प्रदान किया गया था, मेरे गृह निर्वाचन क्षेत्र जमशेदपुर के एक महान व्यक्तित्व थे। वह चार दशकों से भी अधिक समय तक टाटा स्टील और जमशेदपुर से गहरे जुड़े रहे। यह बात अनायास ही मुस्कान लाती थी कि उनके नाम में जमशेदपुर शब्द का भी एक हिस्सा प्रमुखता से आता था। आज से 28 साल पहले, जब जमशेदपुर बिहार राज्य का हिस्सा हुआ करता था और माफिया के आतंक से बुरी तरह जूझ रहा था, तब टाटा स्टील के तत्कालीन प्रबंध निदेशक ईरानी ने बिहार सरकार से एक ऐसा अधिकारी देने का अनुरोध किया था, जो इस्पात नगरी की समस्याओं का समाधान कर सके। तब एक सौभाग्य के रूप में मुझे अपने अद्भुत शहर की सेवा करने और उस हस्ती के साथ निकटता से संवाद करने का आनंद भी प्राप्त हुआ। एक ऐसी हस्ती का सान्निध्य मिला, जिन्होंने जमशेदपुर शहर और पूरे राज्य में अपनी मौजूदगी से कमान संभाल रखी थी।

पहले मुझे एहसास नहीं हुआ था, लेकिन बाद में जे जे ईरानी के कार्यों का मेरे जीवन पर अमिट प्रभाव पड़ा। जमशेदपुर में पुलिस अधीक्षक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुझे कई मोर्चों पर उनका अपार सहयोग हासिल हुआ। वह अपने समय और संसाधनों के साथ अथाह सीमा तक उदार थे। वह जमशेदपुर से इतना प्यार करते थे कि उन्हें अगर यह पता भर चल जाए कि कोई काम उनके शहर के हित में है, वह उसके लिए किसी भी हद तक जा सकते थे।

मुझे समय-समय पर अपने अनेक अनुरोधों पर उनका ‘ओके अजॉय’ कहना अभी खूब याद आ रहा है। बाहरी लोगों को टाटा कंपनी के आवास दिलाने के मामले से लेकर हर जंक्शन पर ट्रैफिक लाइट लगाने में सहायता करने तक मेरे अनगिनत अनुरोधों को उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। देश में एक कुशलतम उद्योग अधिकारी प्रबंधक के रूप में ख्यात जे जे ईरानी का उद्देश्य जमशेदपुर को हर हाल में सुरक्षित रखना था और इसे सुनिश्चित करने में उन्होंने मेरा और पूरे प्रशासन का हरसंभव सहयोग किया। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सुरक्षित जमशेदपुर कोई कोरा सपना नहीं था।

इस प्रकार, मुझे बहुत खुशी हुई थी, जब मैं और मेरे सहयोगी जमशेदपुर को ‘अपराध के शहर’ से ‘आनंद और शांति के शहर’ में बदलने में कामयाब हुए। इस सच्चाई को साकार करने की राह में ईरानी की कोशिशों और योगदान की भूमिका कतई छोटी नहीं थी। उनका प्रभाव आज भी पूरे जमशेदपुर में देखा जा सकता है, चाहे सड़कें हों, खेल सुविधाएं हों, अस्पताल हों, स्कूल हों या पुल (उदाहरण के लिए, मैंगो ब्रिज)। उनके काम पूरे शहर के चप्पे-चप्पे पर नजर आते हैं। जमशेदपुर में किसी सामान्य दिन शहर का एक भी ऐसा हिस्सा खोजना लगभग असंभव है, जहां जे जे ईरानी का असर न झिलमिलाता हो।

बाद में, मुझे जे जे ईरानी के साथ उस टाटा स्टील में भी काम करने का सौभाग्य मिला, जिस संस्थान ने उन्हें स्टील मैन ऑफ इंडिया का उपनाम अर्जित करने का मंच प्रदान किया था। टाटा स्टील के साथ अपने समय के दौरान मुझे कॉरपोरेट जगत के साथ तालमेल बिठाने में मदद करने में उनका लगातार सहयोग याद है। वह जिस धातु के उत्पादन से जुड़े थे, उसकी अनेक विशेषताओं से भी सराबोर थे। इस्पात के साथ वह बहुत चाव से जुड़े थे और उन्होंने अपने फौलादी इरादों का कई बार इजहार किया। उनमें दृढ़ संकल्प भी था और पर्याप्त लचीलापन भी, जो उन्हें तमाम बाधाओं पर विजय दिलाता था। वास्तव में, प्रसिद्ध उद्यमी-अधिकारी रूसी मोदी के निधन के बाद टाटा स्टील को ठीक यही चाहिए था। यह वह दौर था, जब टाटा स्टील को बदलते वैश्विक परिदृश्य में गिरते लाभ सहित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। हालांकि, जे जे ईरानी के नेतृत्व में टाटा स्टील ने गुणवत्ता और ग्राहकों की संतुष्टि पर पूरा ध्यान देने के साथ खुद को फिर स्थापित करने में सक्षम हुआ। उनके नेतृत्व में टाटा स्टील ने विषम परिस्थितियों के बावजूद शुद्ध लाभ में 31 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की थी। इस लेख में जिन गुणों का मैंने ऊपर संक्षेप में उल्लेख किया है, उनके अलावा, एक गुण और है, जिसकी मैंने सबसे अधिक प्रशंसा की है, वह है जे जे ईरानी की सत्यनिष्ठा। कोई आश्चर्य नहीं कि उन्हें कॉरपोरेट प्रशासन और कंपनी कानून पर केंद्र सरकार की विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता करने के लिए चुना गया था। मैं इस तरह के कार्य के लिए उनसे बेहतर नाम या विकल्प सोच भी नहीं सकता था। जैसा कि उन्होंने अपने जीवन में दिखाया, उनका दृष्टिकोण यह था कि जब किसी कंपनी या किसी संगठन की बात आती है, तब अच्छा कॉरपोरेट प्रशासन और विकास की भूख असंगत नहीं है, बल्कि ये दोनों अलग-अलग ऐसे तत्व हैं, जो साथ मिलकर एक मजबूत मिश्रित धातु का निर्माण करते हैं। ईरानी को बहुत याद किया जाएगा, लेकिन जैसा कि मैंने हाल ही में एक अद्भुत किताब में पढ़ा है, ‘मौत एक जिंदगी को खत्म करती है, एक रिश्ते को नहीं।’ और इसीलिए मैं सिर्फ उस रिश्ते के लिए आभारी हो सकता हूं, जिसे हम उनके समय बढ़ाने में सक्षम थे। आप हमें बहुत याद आएंगे, डॉक्टर जमशेद जे ईरानी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कठिन दौर में बेहतर भविष्य के लिए नए भारत का नजरिया

हर्षवर्धन श्रृंगला, पूर्व विदेश सचिव

कोविड-19 महामारी के प्रभाव और यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक मंदी, उच्च मुद्रास्फीति और ऊर्जा व खाद्य संकट का खतरा पैदा हो गया है। इसके समानांतर दुनिया में सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) व जलवायु संबंधी गतिविधियां भी सुस्त पड़ गई हैं। ऐसा लगता है, पूरब-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण के बीच वैचारिक दूरी बढ़ गई है और दुनिया पहले से कहीं अधिक ध्रुवीकृत हो गई है। इन तमाम स्थितियों के बीच भारत वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में आ रहा है। इस साल दिसंबर में यह जी-20, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद व शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का अध्यक्ष होगा। भारत पहली बार जी-20 की अध्यक्षता करेगा और 1 दिसंबर, 2022 से एक वर्ष के लिए इस प्रभावशाली समूह के शीर्ष पर रहेगा।

पिछले कुछ वर्षों में भारत की वैश्विक स्थिति ने उसे प्रमुख वैश्विक भागीदार, क्षेत्रीय वार्ताकार व विकासशील दुनिया के साथ एक सार्थक जुड़ाव हासिल करने की हैसियत दी है। भारत जी-7 में नियमित रूप से आमंत्रित सदस्य रहा है, जिसमें प्रमुख विकसित देश शामिल हैं। यह ब्रिक्स का भी सदस्य है। भारत क्वाड में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ है। इसके अलावा एससीओ में भी भारत है, जिसमें रूस, चीन व मध्य एशियाई राष्ट्र शामिल हैं। इस कठिन दौर में जी-20 विशिष्ट रूप से एक ऐसा मंच है, जिसमें दुनिया की प्रमुख विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। अतीत में इस समूह ने वैश्विक आयात के मामले में बेहतर निदान दिए हैं। आज दुनिया जिन तनावों और अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वह दूरदर्शी नेतृत्व व स्टेटमैनशिप के महान गुणों की दरकार रखती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्यू इंडिया ने हमारे देश को जिस तरह कोविड संकट के बाहर निकाला, उससे भारत को एक चमकदार पहचान दी है। यह एक लचीला भारत है, जो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

यह एक ऐसा भारत है, जिसने सबसे कठिन दौर में वैश्विक भलाई के लिए अपने संसाधनों और क्षमताओं को साझा करने में कोई संकोच नहीं किया। इस व्यापक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए भारत का प्रयास वैश्विक स्तर पर योगदान करने के लिए अपनी घरेलू क्षमता व उपलब्धियों का लाभ उठाने का रहा है। प्राकृतिक आपदाओं व अन्य आपात स्थितियों में प्रथम सहयोगी के रूप में भारत की मदद अपने विस्तारित पड़ोस के रूप में इंडोनेशिया से अफ्रीका के पूर्वी तट पर मोजांबिक तक पहुंच गई है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक अस्थायी सदस्य के रूप में भारत का कार्यकाल इस वर्ष समाप्त हो जाएगा। हालांकि, हमने विश्व शांति और सुरक्षा के खतरों से निपटने के लिए तैयार किए गए इस विशेष संयुक्त राष्ट्र निकाय में पहले ही अपनी पहचान बना ली है। अगस्त, 2021 में भारत की अध्यक्षता में सुरक्षा परिषद ने पहली बार समुद्री सुरक्षा पर सर्वसम्मति-आधारित अध्यक्षीय वक्तव्य को अपनाया। इतिहास में यह भी पहली बार था कि किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने यूएनएससी शिखर बैठक की अध्यक्षता की। वैश्विक स्तर पर भारत की भागीदारी केवल अमीर और प्रभावशाली राष्ट्रों तक सीमित नहीं रही है। भारत को विकासशील देशों का मजबूत समर्थन प्राप्त है। इसके बारे में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा भी है, ‘भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज माना जाता है। अपनी प्रभावशाली भूमिका और दृष्टिकोण के साथ भारत जी-20 की अध्यक्षता लेने के लिए तैयार है और यह विकासशील दुनिया की आशाओं व आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करेगा। साथ ही, यह विकसित दुनिया और बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं को बेहतर अनुकूलता के साथ साझी स्थिति में लाएगा। यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने प्रमुख भागीदारों के साथ काम करने के लिए जी-20 में अपनी अध्यक्षता का उपयोग वैश्विक स्तर पर सामाजिक-आर्थिक विकास, विकास के लिए नवाचार और वैकल्पिक ऊर्जा क्षमताओं के विकास के लिए करेंगे। अपनी आजादी के अमृतकाल के दौरान भारतञ्च100 के संकल्प के साथ हम सन् 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की सामूहिक आकांक्षा को पूरा करते हुए उच्चतर विकास और समावेशी विकास के पथ पर अग्रसर होने के लिए तैयार हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जीवन धन्य बनाइए

समर्थ रामदास जी (शिवाजी के गुरु) ने अपनी अमर कृति श्रीमत दसबोध में वक्ता-श्रोता पर बहुत जोर-शोर से कहा है। सनातन धर्म के उन्नायकों में उनका भी नाम आदर के साथ लिया जाता है। समर्थ रामदास जी ने कहा कि वक्ता में कई गुण होने चाहिए, उनमें एक गुण यह भी है कि उसके मन में यह भाव कभी न आए कि श्रोता मुझसे प्रभावित हो रहा है। बहुत गलत है, वक्ताओं का खूब शृंगार करके, सज-धजकर आना। आजकल वक्ता ऐसे आते हैं, जैसे विवाह के लिए आ रहे हों।

यह स्वभाव हमारा है, लोगों में ख्याति की इच्छा के साथ हमलोग आए हैं। हमारा सम्मान बढ़े, हमें आदर मिले। लोग हमारी प्रशंसा करें, हमारी जय-जयकार करें, हमें धन दें, इत्यादि। भगवान भी अवतार लेकर यही काम करते हैं, लेकिन वे जीवों को धन्य बनाने के लिए करते हैं। उनका अपना कोई स्वार्थ नहीं है, जबकि हम लोग अपने स्वार्थ के लिए करते हैं। हमसे कोई प्रभावित होगा, तो हमारा मान बढ़ेगा, आश्रम बढ़ेगा, हमारी दक्षिणा बढ़ जाएगी। हमें नमस्कार करने वालों की संख्या बढ़ जाएगी। हमें अधिक से अधिक लोग जानने लग जाएंगे। जिन संतों ने गुफाओं में रहकर जीवन को धन्य बनाया, उनका कोई इतिहास नहीं है। इतिहास के पृष्ठों में वे नहीं हैं।

ऐसे करोड़ों करोड़ दिव्य जीवन वालों का कहीं कोई उल्लेख आज नहीं है और कल भी नहीं होगा। बहुत नाम हो जाए, बहुत सारा पैसा हो जाए, यह भी बहुत खतरनाक आकांक्षा है। एक निर्मल संत थे, प्रतिष्ठा इतनी हो गई उनकी कि उन्हें कहीं लोग चैन लेने नहीं देते थे। जहां भी जाते, वहीं हजार लोग आ जाते। पहले तो उन्होंने प्रयास किया कि हमारी प्रतिष्ठा हो, लेकिन लोग जब चींटे जैसे पीछे लग गए, तो कष्ट होने लगा। यदि कोई परिपूर्ण व सही चिंतन का संत नहीं है, तो उसके ऐश्वर्यों को चाटने के लिए संसारी लोग लग जाते हैं। जैसे चींटे चीनी को पूरा चाट लेते हैं, तभी छोड़ते हैं, वैसे ही कई संसारी लोग भी संतों को चाटकर बर्बाद कर देते हैं। भगवान भी तत्पर हैं, लेकिन हर कोई लीलाधारी नहीं हो सकता। जो अपने को ही कर्ता मानता है, वह लीलाधारी नहीं हो सकता। लीला की व्याख्या है कि जिसकी क्रिया में कर्ता होने का अभिमान न हो और फल की कामना न हो। आज ऐसा कौन होगा? लोग विषयों में तत्पर हैं, विषयों की प्रमुखता स्वीकार करते हैं, उसी के अनुसार अपने जीवन का संचालन करते हैं, सारा जीवन इसी में बीत जाता है। कइयों का जीवन भोग में ही बीत गया। तंद्रा में ही बीत गया। भले ही भोग समाप्त न हुआ हो, भोग करने में भोगी समाप्त हो गया। सबको अपना जीवन सार्थक बनाना चाहिए।

रामानंदाचार्य स्वामी
रामनरेशाचार्य

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग

ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचार

मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री ने किया स्टॉल का अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए नवाचार किए जा रहे है। स्कूलों की पढ़ाई-लिखाई में गुणवत्ता लाने के लिए डिजिटल माध्यमों का भी सहारा लिया जा रहा है। प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम में स्वामी आत्मानंद स्कूलों की शुरूआत की गई है। साइंस कॉलेज मैदान में राज्योत्सव के अंतर्गत लगाये गए शिक्षा विभाग के स्टॉल में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम के पहुंचने पर विद्यार्थियों के पालकों और अभिभावकों ने स्वामी आत्मानंद स्कूलों की जमकर तारीफ की। इस मौके पर स्कूल बच्चों ने भी हर्ष ध्वनि कर मुख्यमंत्री को अभिवादन किया और उनके साथ सेल्फी ली।

मुख्यमंत्री ने स्टॉल में उपस्थित विद्यार्थियों के पालकों और अभिभावकों से स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल का अनुभव पूछा तो उन्होंने स्कूल व्यवस्था की जमकर तारीफकी। इस मौके पर समावेशी शिक्षा में मुख्यमंत्री को सुविधा सिंह स्पेशल एजूकेटर समावेशी शिक्षा एवं हायर सेकण्डरी स्कूल हीरापुर की दृष्टिहीन छात्रा कुमारी हिमांशी सोनवानी द्वारा स्मार्ट फोन ऑपरेट कर सुगम्य पाठ्यपुस्तक के उपयोग पर जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को शाबासी दी।

'हमर स्कूल के नवा दुनिया' कार्यक्रम के बारे में शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विषय-विशेषज्ञों द्वारा बच्चों के स्तर और आवश्यकता अनुरूप कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सभी विषयों की रोचक जानकारी के वीडियों तैयार किए गए है, जिसे बच्चे कहीं भी कभी भी पढ़कर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने इन नवाचारी पहल की सराहना की। इस मौके पर उन्हें क्लासरूम प्रोजेक्ट द्वारा डिजिटल माध्यम से पढ़ाई के लिए कक्षा पहली से 12वीं की डिजिटल सामग्री भेंट की गई। स्कूल शिक्षा विभाग के स्टॉल में व्यवसायिक शिक्षा और बस्ताविहीन स्कूल सहित विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। इसके अलावा बच्चों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉडल्स भी रखे गए हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने दिव्यांग बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और उनके पुनर्वास संबंधी दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि थैरेपिस्ट द्वारा दिव्यांग बच्चों को दी जाने वाली सुविधाएं जैसे- थैरेपी, उपकरण, छात्रवृत्ति, उपचार, जांच, दिव्यांगता प्रमाण पत्र सहित अन्य महत्वपूर्ण सुविधाएं दी जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग के स्टाल को उत्तर बस्तर कांकेर के नरहरदेव उच्चतर विद्यालय का स्वरूप दिया गया है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के सभी योजनाओं जैसे- स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल, आईसीटी, समावेशी शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा को प्रदर्शित किया गया।

स्टॉल में बच्चे अपनी पढ़ने की गति से अवगत हुए, इन बच्चों को समग्र शिक्षा के प्रबंध संचालक के हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. एस. भारतीदासन, संचालक लोक शिक्षण सुनील जैन, प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा नरेंद्र दुग्गा, अतिरिक्त संचालक एससीईआरटी डॉ. योगेश शिवहरे, जिला शिक्षा अधिकारी आर. एल. ठाकुर, सहायक संचालक साक्षरता मिशन श्री प्रशांत पांडेय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

आंवले के पेड़ की पूजा कर आंवला नवमी मनाया गया

जगदलपुर। हिंदू पंचाग में कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर जिले में बुधवार को महिलाओं ने आंवले के पेड़ की पूजा कर आंवला नवमी मनाया। शहर के लक्ष्मी नारायण मंदिर में महिलाओं ने कार्तिक स्नान कर आंवले के तने के समक्ष कपूर और घी का दीपक जलाकर पूजा करने के बाद आंवला नवमी की कथा सुनी। पेड़ की ग्यारह परिक्रमा कर पति और पुत्र की लंबी उम्र के लिए आंवला पेड़ पर रक्षा सूत्र बांधा। लक्ष्मी नारायण मंदिर के पुजारी किशोर तिवारी ने बताया कि आंवला नवमी को अक्षय नवमी के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म में आंवला नवमी का विशेष महत्व है। आंवला नवमी के दिन आंवला के वृक्ष की पूजा कर परिवार की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। इसके साथ ही इस दिन वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन किया जाता है, तथा प्रसाद के रूप में भी आंवला खाया जाता है। पंडित किशोर तिवारी ने बताया कि माता लक्ष्मी ने विचार किया कि एक साथ भगवान विष्णु व शिव जी की पूजा कैसे हो सकती है।

धान खरीदी समस्या, शिकायत दर्ज कराने कंट्रोल रुम बनाया गया

बीजापुर। खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी 01 नवम्बर से किया गया है। जिले में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी के दौरान आने वाली समस्याएं, शिकायत प्राप्त एवं निराकरण किये जाने हेतु जिला कार्यालय बीजापुर में कंट्रोल रुम (फोन नम्बर 07853-220223) एवं राज्य स्तरीय कॉल सेंटर नम्बर 1800-233-3663, 112 एवं 1967 में ग्रामीण/किसान कॉल/फोन करके धान खरीदी हेतु अपनी समस्याएं/शिकायत दर्ज करा सकते है। उक्त कंट्रोल रुम हेतु प्रभारी अधिकारी, ऋषिकेश सिदार, जिला रोजगार अधिकारी को नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का महाभियान : अब तक 14,158 मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी

इस साल 110 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमान, 25.93 लाख किसानों का पंजीयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोषणा के अनुरूप प्रदेश में एक नवम्बर से धान खरीदी का महाभियान शुरू हो गया है। धान खरीदी के दूसरे दिन तक आज प्रदेश के विभिन्न जिलो में किसानों से समर्थन मूल्य में 14 हजार 158 मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है। धान खरीदी के एवज में किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत 281.06 करोड़ रुपये जारी किया गया है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आज धान बेचने वाले किसानों को 5724 टोकन जारी किए गए थे तथा टोकन तुंहर हाथ एप्प द्वारा 356 टोकन जारी किए गए थे।

आगामी दिवस धान खरीदी के लिए 6504 तथा टोकन तुंहर हाथ के जरिये 505 टॉकन जारी किए गए है। किसानों को धान विक्रय में कोई परेशानी न हो इसके लिए सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण कर ली गई है। कंही कोई शिकायत नही मिली है।

गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सहित किसान हितैषी योजनाओं से प्रदेश में खेती-किसानी में नये उत्साह का संचार हुआ है। खेतों से दूर हो रहे किसान खेतों की ओर लौटे हैं और खेती का रकबा भी बढ़ा है। धान का रकबा बढ़कर 31.13 लाख हेक्टेयर हो गया है। इस वर्ष लगभग 110 लाख मीट्रिक धान का उपार्जन अनुमानित है। समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए राज्य में 25.93 लाख किसानों का एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 2.03 लाख नये किसान है। राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 2497 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। इस साल किसानों से सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 के लिए एक नवम्बर 2022 से धान, खरीदी शुरू हो गई है। किसानों से सुगमतापूर्वक धान खरीदी के लिए राज्य शासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां एवं व्यवस्थाएं कर ली गई है।

किसानों को धान बेचने में किसी भी तरह की दिक्कत न आए, इसको लेकर सभी केन्द्रों में बेहतर प्रबंध किए जाने के साथ ही व्यवस्था पर मॉनिटरिंग के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है।खाद्य सचिव श्री वर्मा ने बताया कि गत वर्ष के पंजीकृत 24.05 लाख किसानों ने पंजीयन कराया था। पंजीकृत किसानों के डाटा को कैरी फॉरवर्ड तथा इस साल 2.03 लाख नये किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इस प्रकार पंजीकृत किसानों की संख्या बढ़कर 25.93 लाख हो गई है। पंजीकृत किसानों के धान का रकबा बढ़कर 31.13 लाख हेक्टेयर हो गया है। समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी की अधिकतम सीमा पिछले वर्ष के अनुसार 15 क्विंटल प्रति एकड़ लिंकिंग सहित निर्धारित की गई है। धान खरीदी हेतु बारदाने की व्यवस्था कर ली गई है। धान खरीदी के लिए सभी समितियों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उपार्जित धान की कस्टम मिलिंग के लिए मिलर्स का पंजीयन किया जा रहा है। राज्य में अवैध धान की आवक रोकने तथा संवेदनशील उपार्जन केन्द्रों पर निगरानी के लिए नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं।

सीमावर्ती सोसायटियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ में धान का अवैध परिवहन न हो, इसकी रोकथाम के लिए चेकपोस्ट भी बनाए गए हैं, जहां अधिकारियों की टीम माल वाहकों पर कड़ी निगरानी रख रही है।

गौरतलब है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत खरीफ फसलों की उत्पादकता में वृद्धि तथा फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को प्रति एकड़ के मान से 9 हजार रूपए तथा धान की खेती बदले अन्य फसलों की खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ की मान से 10 हजार सब्सिडी दी जा रही है। बीते तीन वर्षों में राज्य के किसानों को 16 हजार 415 करोड़ रूपए की सब्सिडी दी जा चुकी है। वर्ष 2019 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले 18.43 लाख किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रूपए के मान से 5627 करोड़ रूपए, वर्ष 2020 में 20.59 लाख किसानों को 5553 करोड़ रूपए तथा वर्ष 2021 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले 24 लाख किसानों को तीन किश्तों में 5235 करोड़ रूपए की सब्सिडी दी जा चुकी है।

मितान योजना में लोग ले रहे हैं खासी दिलचस्पी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव के अवसर पर साइंस कॉलेज मैदान में नगरीय प्रशासन विभाग के स्टॉल में लोगों का हुजूम एकत्रित हो रहा है। स्टॉल में मुख्यमंत्री मितान योजना को बहुत ही आकर्षक तरीके से प्रदर्शित किया गया है। लोग योजना को जानने के लिए प्रदर्शनी स्थल पर ब्रोशर और एलईडी प्रदर्शन से जानकारी ले रहे हैं। योजना के तहत छत्तीसगढ़ में लोगों को घर बैठे कॉल पर सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

उपभोक्ता 14545 पर कॉल करके मितान सेवा प्राप्त कर सकते हैं। प्राप्त सेवाओं मूल निवासी प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति जनजाति प्रमाण पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, भूमि की रिकार्ड की नकल, भूमि सूचना (भूमि उपयोग) मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र सुधार और दुकान और स्थापना पंजीकरण संबंधी दस्तावेज मितान सेवा से प्राप्त किये जा सकते हैं। इसी तरह मृत्यु प्रमाण पत्र सुधार, विवाह प्रमाण पत्र सुधार, आधार कार्ड पंजीकरण, (5 वर्ष तक के बच्चों का) आधार कार्ड में पता एवं मोबाइल नंबर में सुधार घर बैठे मितान सेवा से प्राप्त किए जा सकते हैं।

राज्योत्सव प्रदर्शनी स्थल पर नगरीय प्रशासन विभाग के स्टॉल में दुर्ग जिले से आए सौरभ निर्मलकर, घनश्याम मरकाम और पुष्पेन्द्र सिन्हा सहित भिलाई की गीतांजलि साहू, रायपुर की मंजू बघेल, अशुतोष तिवारी ने बताया कि वास्तव में मुख्यमंत्री मितान सेवा लोगों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण एवं सुविधाजनक है। इससे घर बैठे जरूरी दस्तावेज प्राप्त किए जा सकते हैं। इस सेवा से लोगों को श्रम, समय और धन की बचत हो रही है। साथ ही प्रमाण पत्रों को प्राप्त करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से भी निजात मिल रही है। वास्तव में छत्तीसगढ़ में मितान योजना से सुविधाओं का विस्तार हुआ है और मितान द्वारा सुविधाएं आसान हो रही है।

जलाराम बापा की 223 वीं जयंती के अवसर पर 58 यूनिट रक्तदान सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संत शिरोमणि श्री जलाराम बापा की 223 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में लगभग 58 यूनिट रक्तदान हुआ, सुबह से ही लोगों में रक्तदान हेतु उत्साह देखा गया सभी समाज के लोगों ने पहुँच कर रक्तदान किया व जलाराम बापा का आशीर्वाद लिया आढ़तिया परिवार व समाज के लोगों ने भजन कीर्तन के साथ रक्तदान किया नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य रक्तदान स्थल पर उपस्थित रहे व रक्तदान प्रक्रीया में सहयोग किया।

राज आढ़तिया,चेतन जैन ,राजेश पारख, तरुण आढ़तिया,कोमल आढ़तिया,कुणाल आढ़तिया.जित्तेन्द्र कारिया सहित समाज के लोगों ने रक्तदान किया ,यह रक्त थैलेसीमिया बच्चों और सिकलसेल मरीज को निशुल्क उपलब्ध कराया जाता है

रक्तदान शिविर में दुर्ग सांसद श्री विजय बघेल,दुर्ग विधायक श्री अरुण वोरा व महापौर श्री धीरज बाकलीवाल ने रक्तदानियों से मिल उन्हें शुभकामनाएं दी व उनका उत्साह बढ़ाया

प्रवीण भाई आढ़तिया ने कहा आज श्री जलाराम बापा की 223 वीं जयंती है जिनका जीवन काल में सदाव्रत (ज़रूरत मंदो को भोजन) चलाने वाले व सदैव सेवा को समर्पित रहा इस अवसर पर रक्तदान करना व जलाराम बापा के आदर्शों पर चलने से आने वाली पीढ़ी को सदमार्ग मिलेगा रक्तदान शिविर के आलावा जलाराम मिस्ठान भंडार में अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें महा प्रसादी का कार्यक्रम ,जिसमें लगभग 2500 से 3000 लोगों ने महा प्रसादी ग्रहण की ,गरीब लोगों को कंबल वितरण किया गया, पूरे दिन अखंड राम धुन का कार्यक्रम चला, दुर्ग लोकसभा सांसद श्री विजय बघेल, विधायक अरुण वोरा और प्रथम नागरिक महापौर धीरज बाकलीवाल ने भी महा प्रसादी ग्रहण की आढ़तिया परिवार ने सभी रक्तदानियों,श्रद्धालुओं, व उपस्थित जान प्रतिनिधियों का स्वागत किया व आभार वयक्त किया।

देवगुड़ियों को बनाए आकर्षक

जगदलपुर। कलेक्टर ने देवगुड़ियों को आकर्षक बनाने के निर्देश दिए। बुधवार 2 नवंबर को जिला कार्यालय के प्रेरणा कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर चंदन कुमार ने कहा कि बस्तर की लोक परंपराओं में देवगुड़ियों का महत्वपूर्ण स्थान है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लोक आस्था के इन केन्द्रों को संवारने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार इनके निर्माण में सुंदरता को उभारा जाए। उन्होंने देवगुड़ियों की चारदीवारी बनाने के साथ फूलदार और फलदार वृक्षों का रोपण अनिवार्य तौर पर करने के निर्देश दिए।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

कल्याणकारी योजनाओं ने मेहनतकशों को लुभाया

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव में श्रमवीरों के लिए संचालित की जा रही कल्याणकारी योजनाएं मेहनतकशों को लुभा रही है, राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में चल रहे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव के अवसर पर लगाई गई विभागीय प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में मेहनतकश लोग आकर योजनाओं की जानकारी ले रहे हैं। श्रम विभाग के स्टॉल में निर्माण श्रमिकों के बच्चे हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना अनेक योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की गई है।

प्रदर्शनी स्थल पर मौजूद महादेव साहू रायपुर के सुरज यादव भिलाई मिलाप देवांगन और रायपुर की रामबती बाई और उनके साथियों ने बताया कि प्रदर्शनी में मजदूरों के फायदे की योजनाएं बहुत ही अच्छे ढंग से बताई जा रही है। उन्होंने अन्य मजदूर श्रमिक भाईयों से सलाह दी है कि राज्योत्सव पहुंचकर उनक फायदे की जानकारी ले सकते हैं और इसके अलावा भी राज्योत्सव और राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में देश-विदेश के कलाकारों की कलाओं को देखा जा सकता है।

भूपेश बघेल की मौजूदगी में विदेशी नर्तक कलाकारों की आवाज में गूंजा 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया'

भूपेश बघेल ने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन दर्शक दीर्घा में बैठकर देखी नर्तक दलों की प्रस्तुति

न्यूजीलैण्ड के कलाकारों ने अपने विशिष्ट रीति-रिवाज के अनुसार छत्तीसगढ़ को मित्र बनाने की परंपरा निभाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्योत्सव एवं राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने दर्शक दीर्घा में बैठकर आदिवासी नृत्य महोत्सव का आनंद लिया। समारोह में मालदीव, सर्बिया, मंगोलिया, न्यूजीलैण्ड और इंडोनेशिया के नर्तक दल ने मनमोहक प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में करीब 4 हजार किलोमीटर दूर सर्बिया से आए 10 सदस्यीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नृत्य कौशल को देखकर दर्शक काफी उत्साहित हुए। न्यूजीलैण्ड के नर्तक दल ने शंख बजाकर नृत्य की शुरूआत करते हुए लोक नृत्य हाका से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। न्यूजीलैण्ड के आदिवासी कलाकार अपने पारंपरिक वेश-भूषा में मंच पर पहुंचे और अपने विशिष्ट रीति-रिवाज के अनुसार नृत्य की प्रस्तुति देने से पहले छत्तीसगढ़ राज्य को मित्र बनाने की परंपरा को प्रतीक के रूप में निभाया। उन्होंने अपनी भाषा में छत्तीसगढ़ राज्य से मित्रता की घोषणा की। नर्तक दल के कलाकारों ने एक सुर में छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया का उद्घोष कर मुख्यमंत्री सहित सभी अतिथियों का अभिवादन किया।

पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू, संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, आदिम जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया, विधायक संगीता सिन्हा, हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव एवं अन्य जनप्रतिनिध गण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन विदेशी कलाकारों ने बांधा समां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के दूसरे दिन देश-विदेश से आये कलाकारों के बीच लोक नृत्य की प्रतियोगिता उपरांत कार्यक्रम की समाप्ति हुई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अलावा पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू, संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, आदिम जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम तथा हरियाणा के सहकारिता मंत्री सहित अनेक जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में उपस्थित थे। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव परंपरा और आधुनिकता का संगम बना। मुख्यमंत्री के दर्शक दीर्घा में आगमन के साथ ही छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया के नारों से कार्यक्रम स्थल गूंज उठा। इसी बीच मालदीव के कलाकारों द्वारा नृत्य प्रदर्शन के बाद हिंदी बॉलीबुड गाने ने सभी को आश्चर्य चकित कर दिया। इसके बाद बारी आयी सर्बिया की राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में करीब 4 हजार किलोमीटर दूर सर्बिया से आये 10 सदस्य कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नृत्य कौशल को देख दर्शक काफी उत्साहित हूये। सर्बिया के कलाकार ट्रेडिशनल डांस का प्रदर्शन किए। सर्बिया के कलाकारों ने प्यानो और शहनाई नुमा वाद्य यंत्रों से अलग-अलग धुनों में मधुर संगीत लहरियां प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया। मधुर धुन की ताल पल पर महिला और पुरुष कलाकारों के थिरकते कदम आकर्षक दृश्य तो वही पुरुष फर का कैप लगाए एक हाथ मे डंडा पकड़ कर नृत्य किये। इन कलाकारों ने "सबले बढ़िया छत्तीसगढ़िया" का उदघोष कर मुख्यमंत्री सहित अतिथियों का अभिवादन किया। न्यूजीलैंड के आदिवासी कलाकार अपनी पारम्परिक वेशभूषा में मंच पर पहुंचे। अपने विशिष्ट रीति रिवाज के अनुसार नृत्य की प्रस्तुति देने के पहले छत्तीसगढ़ को मित्र बनने की परंपरा को प्रतीक के रूप में निभाया। उन्होंने अपनी भाषा में छत्तीसगढ़ के साथ मित्रता की घोषणा की।

कृषि विभाग के स्टॉल में गौठान योजना के मॉडल को लोगों ने सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2022 में कृषि विभाग के स्टॉल में विभिन्न शासकीय योजनाओं को प्रस्तुत किया गया है। सुराजी ग्राम योजना के तहत गौठान योजना को विभिन्न मॉडलों के माध्यम से दिखाया गया है, जिसमें गौठान समिति द्वारा डेयरी, मुर्गी पालन, वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन, गोबर से पेंट बनाना, गौ मूत्र और गोबर का विक्रय सहित गौठान में क्रियान्वित होने वाले अन्य क्रियाकलापों को प्रदर्शित किया गया है। इसे आमजनों द्वारा सराहा जा रहा है। स्टॉल में आए दिशा कॉलेज के बीएड की विद्यार्थी साधना प्रधान, सचिन भगत, शिल्पी, शालिनी ने कहा कि शहरों में आधुनीकीकरण के प्रभाव के हम अपने गांवों की संस्कृति भूलते जा रहे हैं। यहां पर गौठान के मॉडल को देखने के बाद छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी मिली। साथ ही हमें यह ज्ञात हुआ कि गोबर से गौठानों में पेंट बनाया जा रहा है, जिसकी गुणवत्ता भी अच्छी हैं। इसी तरह ग्राम रानीतराई गणेशराम साहू, सालीगराम ठाकुर ने बताया कि हमें गौठान योजना का मॉडल देखने का अवसर मिला। ऐसे गौठान हमारे क्षेत्रों में भी है, जहां की समितियों द्वारा बनाए गए वर्मी कम्पोस्ट हम खरीदते हैं और उन्हें खेतों में उपयोग भी कर रहे हैं, इससे हमारी भूमि उपजाऊ हो रही हैं।

शासकीय विभागों में रोस्टर के पालन के संबंध में जांच के लिए गठित होगा प्रकोष्ठः सीएम बघेल

मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय गोंडवाना गोंड महासभा द्वारा अनुसूचित जनजाति के हित संबंधी सौंपा गया प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को राष्ट्रीय गोंडवाना गोंड महासभा की ओर से छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य शासन के विचार हेतु एक सामाजिक प्रस्ताव सौंपा गया है। इसमें अनुसूचित जनजाति समुदाय के हित संबंधी विभिन्न बिन्दुओं को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री बघेल ने इनकी मांगों पर त्वरित पहल करते हुए कहा कि शासकीय विभागों में रोस्टर के पालन के संबंध में जांच के लिए प्रकोष्ठ गठित होगा। साथ ही सहकारिता विभाग में हर समुदाय के लोगों को उचित प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए आवश्यक कार्यवाही किए जाने भी आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव के अन्य बिन्दुओं पर भी सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए आश्वस्त किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुलाकात के लिए राज्य भर से आदिवासी समाज के प्रमुख 01 नवम्बर को राजधानी रायपुर पहुंचे थे।

इस दौरान राष्ट्रीय गोंडवाना गोंड महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सोनऊराम नेताम द्वारा समाज की ओर से दिए गए इस प्रस्ताव में सहकारिता विभाग में अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों को अधिनियम के अनुसार प्रतिनिधित्व प्रदान करने और संविधान के अनुच्छेद 16 (4) के तहत प्रदत्त उपबंध अनुसार विभिन्न सेवाओं, पदोन्नति, शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के अवसर उपलब्ध कराना शामिल है। इसी तरह छत्तीसगढ़ में रोस्टर प्रणाली को लागू करने एक समिति गठित करने और मंत्रालय में इसके निगरानी के लिए एक प्रकोष्ठ स्थापित करने का प्रस्ताव दिया गया है।

इसके अलावा प्रस्ताव भूमि अधिग्रहण कानून में संशोधन अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए घातक बताते हुए इसमें छत्तीसगढ़ शासन को विचार करने और छत्तीसगढ़ में अनुच्छेद 342 में उल्लेखित अनुसूचित जनजाति समुदाय को आदिवासी, ट्रायबल, इंडिजिनियस प्यूपुल्स समुदाय के रूप में मान्यता देने हेतु पहल शामिल है। राज्य में टीएसपी के तहत आबंटित 21 हजार करोड़ के लक्ष्य को मार्च 2023 तक पूरा करने आदिम जाति विभाग से विशेष अभियान चलाया जाना प्रस्तावित है। खनिज उत्खनन, बांध एवं उद्योग आदि परियोजना से प्रभावित ग्रामवासियों को राहत, पुनर्वास एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने संबंधी बिन्दु शामिल है।

इस अवसर पर गोंड़ समाज, उरांव, भुईंया, कंवर, मुण्डा, पंडो, मंझवार, नगेसिया, नागवंशी आदि विभिन्न समाजों के प्रतिनिधिमंडल में सर्वश्री रामसाय, भानुप्रताप सिंह मरकाम, रघुनाथ, तुलसीराम, चतुर सिंह तारम, सुश्री तारा मंडावी, महावती कोमरे, शेर सिंह आचला, बाल सिंह, निलकंठ सिंह ठाकुर, पन्नालाल ध्रुव, शिवप्रसाद, कौशल ठाकुर, पुनीत राम, मनोज भगत, रविन्द्र पैकरा, शरण सिंह, सोमार साय, सीताराम, बिहारी राम पैकरा, शिवराम पण्डो, बबलू कुमार, राजेश, मलकू राम, रविशंकर तथा रामचन्द्र मुण्डा आदि शामिल थे।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिकः साइंस कॉलेज मैदान में युवा परंपरागत खेलों का ले रहे आनंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आम नागरिक छत्तीसगढ़ के परंपरागत खेलों का आनंद ले रहे हैं। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव में आने वाले लोगों को अब परंपरागत खेलों को देखने का मौका मिल रहा है। खेल विभाग के स्टॉल के सामने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की जानकारी देने और लोगों को खेलों से जोड़ने के लिए एक छोटा खेल मैदान भी बनाया गया है, जहां युवा अपनी रूचि के अनुसार गेड़ी, फुगड़ी, भंवरा, पिट्ठुल, खो-खो, बाटी आदि खेलों का आनंद ले सकते हैं।

साइंस कॉलेज आने वाले युवाओं ने बताया की उनका बचपन इन खेलों को खेलते हुए बीता है। यहां पर आए बच्चे जैसे इन खेलों में रम से गए हैं। लोग पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किए जा रहे छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की सराहना भी कर रहे हैं। यहां आने वाले लोगों ने बताया कि देश-विदेश से आए आदिवासी नर्तक दलों के द्वारा किए जा रहे शानदार प्रस्तुति का आनंद लेने के साथ ही विभिन्न शासकीय विभागों में जाकर शासकीय योजनाओं और राज्य में हुई प्रगति की जानकारी भी हासिल कर रहे हैं। व्यायाम शिक्षक ज्ञानचंद साहू ने बताया बच्चों और युवाओं को छत्तीसगढ़ी पारंपरिक खेल खेलने में आनंद आ रहा है। पारंपरिक खेलों की जानकारी देने के उद्देश्य से बनाए गए ग्राउंड में लोग काफी उत्साह के साथ इन खेलों में भाग भी ले रहे हैं। कॉलेज के छात्र आयुष साहू, आदिति साहू, आकाश एवं विकास ने पिट्ठुल और बिल्लस खेल में तो वहीं डॉक्टर दीक्षा मिश्रा एवं डॉक्टर पी. मिश्रा ने गेड़ी दौड़ में हाथ आजमाया। बीएसपी के कर्मचारी बीएस दुग्गा ने कुशलतापूर्वक गेड़ी का संचालन किया। सुकतिंन दुग्गा, सुश्री निशी वैद्य सहित कई महिलाएं बिल्लस खेल को बड़े उत्साह के साथ खेल रही थी। सभी ने पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किए जा रहे छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की सराहना की। उल्लेखनीय है की छत्तीसगढ़ में पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य के छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। इस ओलंपिक में 14 खेलों को शामिल किया गया है। इसके तहत दलीय खेल में गिल्ली डंडा, पिट्ठुल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी, बाटी (कंचा) और एकल खेल में बिल्लस, फुग़ड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़ तथा लंबी कूद की प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेंडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

क्या कभी आपने खाया है बुद्धा हैंड फ्रूट ?

बुद्धा हैंड फ्रूट कई लोगों के लिए अनजाने फलों की सूची में शुमार होगा। यह फल एक बार पकने के बाद हाथ की उंगलियों की तरह लंबे अलग-अलग जाल में विकसित हो जाता है और कई जरूरी पोषक तत्वों से समृद्ध होता है। इसलिए इसे डाइट में शामिल करना लाभदायक हो सकता है। आइए जानते हैं कि इस फल के सेवन से क्या-क्या स्वास्थ्य संबंधी लाभ मिल सकते हैं।

दर्द निवारक के रूप में करता है काम

बुद्धा हैंड फ्रूट का उपयोग सदियों से दर्द निवारक के रूप में किया जाता आ रहा है। इस फल में पाए जाने वाले कार्बनिक यौगिक और दर्द निवारक एजेंट जैसे कि कूमारिन, बर्गप्टन, डायोसमिन और लिमोनिन दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये यौगिक एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण की तरह काम करके सर्जरी, चोट, मोच, घाव आदि के कारण होने वाली सूजन और दर्द को कम कर सकते हैं। यह घाव भरने की प्रक्रिया को भी तेज करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार

अगर आप इस फल को अपने दैनिक आहार में शामिल करते हैं तो यह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी सहायक है। इसमें एक विशिष्ट पॉलीसेकेराइड होता है, जो मैक्रोफेज की माइक्रोब स्कैवन्ज गतिविधि को बढ़ाने में मदद करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता की गति समेत प्रभावशीलता को बढ़ाता है। एक प्रभावी रोग प्रतिरोधक क्षमता सर्दी और फ्लू जैसे संक्रमणों से भी बचाती है और कई बीमारियों से सुरक्षित रखती है।

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल की समस्याओं से बचाव

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर बुद्धा हैंड फरूट आंत और पेट की सूजन को कम करने में मदद करता है। यह ऐंठन, पेट दर्द, दस्त, सूजन और कब्ज से राहत देता है। यह स्वास्थ्यवर्धक फल आंतों की मांसपेशियों को आराम देने में भी मदद करता है, जिससे उचित पाचन को बढ़ावा मिलता है। इसमें उच्च मात्रा में डाइटरी फाइबर मौजूद होता है जो आंत में पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाता है।

श्वसन संबंधी समस्याओं का करे इलाज

पोषक तत्वों से भरपूर यह फल श्वसन संबंधी समस्याओं के इलाज में अत्यधिक प्रभावी है। इसके अतिरिक्त, यह अत्यधिक खांसी की समस्या के लिए एक तेज और दर्द रहित इलाज प्रदान करता है। यह समस्या कफ या सर्दी या किसी अन्य श्वसन समस्या पैदा करती है। अधिक लाभ के लिए फल का सेवन करने से पहले इसे मीठे पानी में भिगो दें।

हाई ब्लड प्रेशर को करता है नियंत्रित

यह फल एक वाहिकाविस्फारक के रूप में कार्य करता है और आपके शरीर में कोरोनरी रक्त वाहिकाओं को आराम देने और फैलाने में मदद करता है जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। यह ब्लड सर्कुलेशन को भी बढ़ाता है और एथेरोस्क्लेरोसिस विकसित करने या स्ट्रोक या दिल के दौरे जैसी समस्याओं के जोखिम को कम करता है। यह आपके कार्डियोवस्कुलर सिस्टम को बेहतर भी करता है।

सर्दियों में यात्रा करने से पहले इन चार बातों का जरूर रखें ध्यान

सभी को सर्दियों में यात्रा करना बेहद पसंद होता है। ठंडा मौसम, खूबसूरत नजारे और बर्फबारी, आपकी यात्रा को बेहद यादगार बना देती हैं। लेकिन इस मौसम में घूमने से पहले अगर आपने कुछ महत्वपूर्ण बातों और चीजों का ख्याल नहीं रखा तो यह यात्रा आपके लिए मुसीबत भी बन सकती है। आइए आज हम आपको चार ऐसी बातों के बारे में बताते हैं जिनका सर्दियों में यात्रा करने से पहले आपको ध्यान रखना चाहिए।

ऐसे सर्द मौसम में कहीं भी जाने से पहले एक बार वहां की भौगोलिक स्थिति और घूमने वाले दिन के तापमान के बारे में जरूर पता कर लें। इससे आप उस वक्त की जरूरतों से पहले ही वाकिफ हो जाएंगे और कई मुसीबतों से बच जाएंगे। पहले से भौगोलिक और मौसम की स्थिति के बारे में मालूम होगा तो आप उस हिसाब से दवाइयां, केतली और अन्य चीजें रख सकते हैं।

ट्रेवलिंग बैग पैक करते वक्त रखें खास ध्यान

सर्दियों में घूमने के लिए फिजूल चीजें रखकर अपने बैग को भारी करने की गलती बिल्कुल मत करिएगा। इससे आपको एक जगह से दूसरी जगह जाने में बहुत परेशानी होगी। ऐसे मौसम में यात्रा के दौरान जरूरी सामान, कपड़े और एक कंबल जरूर रख लीजिए ताकि आपको ठंड न लगे। इन सबके अलावा अगर आप बर्फबारी वाली जगह जा रहे हैं तो सनग्लासेस जरूर रख लीजिएगा क्योंकि सूर्य की किरण बर्फ से टकराकर आपकी आंखों को प्रभावित करती हैं।

यात्रा से पहले ही बुक कर लें होटल

सर्दियों में लंबी यात्रा के बाद आपको होटल तलाशने का बिल्कुल भी मन नहीं करेगा, इसलिए आप पहले ही बढ़िया सा होटल देखकर ऑनलाइन बुक कर लीजिए। कभी-कभी सब होटल फुल हो जाते हैं, इसलिए पहले से होटल बुक करना बिल्कुल सही विकल्प है। होटल बुक करते समय सभी सुविधाओं को भी ध्यान से चेक करें। सही और अच्छा होटल बुक करने में आप चाहें तो वहां के टूर और ट्रेवल कंपनी की मदद भी ले सकते हैं।

कार से यात्रा करने पर इन बातों का भी रखें ध्यान

सर्दियों में आपको हमेशा शीशे बंद वाली गाड़ी में ही सफर करना चाहिए। खुली गाड़ी में कई बार ठंडी हवा लगने से आपकी तबीयत खराब हो जाती है और आप घूमने का लुफ्त नहीं ले पाते हैं। इसके अलावा अगर आप कार से ही यात्रा कर रहे हैं तो इमरजेंसी कार किट जरूर रखें। इसके अलावा एक मैप भी लेना जरूरी है क्योंकि कभी-कभी इंटरनेट ठीक से काम नहीं करता है। इससे आपको रास्ता तलाशने में मदद मिलेगी।

संतरे के छिलकों को करें डाइट में शामिल मिलेंगे कई स्वास्थ्य संबंधी लाभ

अमूमन लोग संतरे के छिलकों को फेंक देते हैं, लेकिन क्या आपको मालूम है कि ये स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होते हैं? संतरे का छिलका वास्तव में पूरे फल का सबसे लाभदायक हिस्सा होता है। यग फ्लेवोनोइड्स और कई अन्य महत्वपूर्ण फाइटो-केमिकल्स से भरपूर होता है जो स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न लाभ प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कि संतरे के छिलकों को डाइट में शामिल करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

कैंसर से सुरक्षित रखने में है सहायक

एक शोध के मुताबिक, संतरे के छिलकों में मौजूद फ्लेवोनोइड्स एक प्रोटीन को रोकता है जो कैंसर क । कारण बनती है। संतरे के

छिलकों में लिमोनेन नामक एक अन्य यौगिक भी होता है जो कैंसर के खतरे को कम कर सकता है। कैंसर संबंधित गतिविधियों को रोकने में भी इस खट्टे फल के छिलके को प्रभावकारी माना जाता है।

ब्लड शुगर को करते हैं नियंत्रित

हाई ब्लड शुगर की वजह से शरीर कई गंभीर समस्याओं का घर बन सकता है, इसलिए इसे नियंत्रित रखना जरूरी है। इसके लिए अपनी डाइट में संतरे के छिलकों को शामिल करें।

एक शोध के मुताबिक, संतरे का छिलका ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें हाइपोग्लाइसेमिक प्रभाव मौजूद होता है। यह प्रभाव टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को कम करने में भी सहायक है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है लाभदायक

एक अन्य शोध के मुताबिक, संतरे के छिलकों में हेस्परिडिन नामक फ्लेवोनॉयड उच्च मात्रा में मौजूद होता है जो ब्लड कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है। दरअसल, संतरे के छिलके में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण और पॉलीमेथोक्सिलेटेड फ्लेवोन होते हैं जो दवाओं की तुलना में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को अधिक कम करके आपको हृदय रोगों से सुरक्षित रख सकते हैं।

वजन नियंत्रित करने में भी है सहायक

अगर आप वजन घटाने में लगे हैं तो अपनी डाइट में संतरे के छिलकों को जरूर शामिल करें क्योंकि ये फाइबर से समृद्ध होते हैं। इसके अतिरिक्त इन छिलकों में टैनिन मौजूद होता है, जो एक शक्तिशाली फाइटोन्यूट्रिएंट के रूप में कार्य करता है और पेट से संबंधित समस्याओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए संतरे के छिलके को फेंके नहीं।

आंखों के लिए है फायदेमंद

संतरे के छिलके में विटामिन- ए और एंटी-ऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं जो आपकी आंखों के स्वास्थ्य को बेहतर रखने में मदद कर सकते हैं और कई समस्याओं के जोखिम को बढ़ने से रोक सकते हैं। अध्ययनों के अनुसार, ये गुण मोतियाबिंद को रोकने में भी सहायक हैं और रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा के जोखिम को कम करते हैं। इसके अलावा संतरे के छिलकों में मौजूद विटामिन- ए आंखों को अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाता है।

डैंड्रफ से छुटकारा दिला सकते हैं मेथी के दाने

डैंड्रफ की समस्या को दूर करने में मेथी के दाने काफी मदद कर सकते हैं। एक शोध के मुताबिक, मेथी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण डैंड्रफ दूर करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें प्रोटीन, आयरन, पोटेशियम और लेसिथिन जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं जो बालों को खूबसूरत बना सकते हैं। आइए जानते हैं कि मेथी के दानों का किस तरह से इस्तेमाल करके डैंड्रफ से छुटकारा मिल सकता है।

मेथी के दानों को भिगोकर लगाएं

मेथी के दाने न सिर्फ डैंड्रफ को रोकने में मदद करते हैं बल्कि वे बालों को सफेद होने से रोकते हुए स्वस्थ बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। लाभ के लिए दो बड़ी चम्मच मेथी के दानों को एक कटोरी पानी में भिगोकर रातभर के लिए छोड़े। फिर अगली सुबह इनको पीसकर चिकना पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने स्कैल्प पर लगाकर इसे 30 मिनट के लिए लगाएं। फिर अपने बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

मेथी के दाने और नींबू के मिश्रण का करें इस्तेमाल

नींबू का रस स्कैल्प के रोमछिद्रों को खोलकर और बालों की चमक को बढ़ाते हुए तेल को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह डेड स्किन सेल्स को एक्सफोलिएट करने में भी मदद करता है, जिससे आपको एक डैंड्रफ मुक्त सिर मिलेगा। लाभ के लिए भीगे मेथी के दानों को पीसकर इसमें नींबू का रस मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपने स्कैल्प और बालों पर लगाकर इसे 30 मिनट के बाद माइल्ड शैंपू से धो लें।

मेथी और दही का मिश्रण आएगा काम

मेथी के दाने और दही का मिश्रण भी डैंड्रफ को दूर करने में काफी मदद कर सकता है। लाभ के लिए मेथी के दानों को दही के बर्तन में भिगोकर रातभर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह इस मिश्रण को पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने स्कैल्प और बालों पर लगाएं और 30 मिनट के बाद अपने बालों को माइल्ड शैंपू से धोएं।

मेथी और नारियल का तेल लगाएं

मैथी के दानों समेत नारियल के तेल में भी एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो डैंड्रफ दूर करने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए मेथी के दानों को एक कटोरी पानी में भिगोकर रातभर के लिए छोड़ दें। फिर अगली सुबह इन दानों को पीसकर इसके साथ नारियल का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने बालों में लगाएं और 30 मिनट के बाद अपने बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

मेथी में आंवला पाउडर मिलाकर लगाएं

यह मिश्रण भी डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा दिला सकता है। लाभ के लिए सबसे पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच पिसे हुए मेथी के दाने, दो बड़ी चम्मच आंवला का पाउडर और चार बड़ी चम्मच नींबू का रस मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने बालों में लगाएं और 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद अपने बालों को ठंडे पानी और माइल्ड शैंपू से धो लें।

ब्रह्मास्त्र से प्राप्त अनुभव को हमेशा संजोकर रखूंगी : मौनी रॉय

अभिनेत्री मौनी रॉय इस समय अपनी पौराणिक साहसिक फिल्म ब्रह्मास्त्र के डिजिटल प्रीमियर को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्होंने साझा किया है कि यह फिल्म कई कारणों से उनके लिए बहुत खास है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा के बड़े जाने-माने सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। मौनी रॉय ने कहा, महत्वाकांक्षा के कारण ब्रह्मास्त्र बहुत खास होगी। फिल्म ने मुझे अविश्वसनीय कलाकारों और लिजेंड्स के साथ काम करने का मौका दिया। इस अनुभव को मैं हमेशा संजोकर रंखूगी। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म में उन्होंने काफी कुछ सीखा। अभिनेत्री ने कहा, उनके साथ स्क्रीन साझा करना एक सौभाग्य की बात थी। जिस अनुशासन और पैशन के साथ वे हर रोज काम करते हैं, उससे मुझे काफी कुछ सीखने को मिला। अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और तेलुगू मेगास्टार नागार्जुन अक्किनेनी जैसे एक्टर्स के साथ काम करना अलग ही अनुभव रहा। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह फिल्म 4 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
Paul Sir
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कल्याणकारी योजनाओं ने मेहनतकशों को लुभाया

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव में श्रमवीरों के लिए संचालित की जा रही कल्याणकारी योजनाएं मेहनतकशों को लुभा रही है, राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में चल रहे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और राज्योत्सव के अवसर पर लगाई गई विभागीय प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में मेहनतकश लोग आकर योजनाओं की जानकारी ले रहे हैं। श्रम विभाग के स्टॉल में निर्माण श्रमिकों के बच्चे हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना अनेक योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी स्थल पर मौजूद महादेव साहू रायपुर के सुरज यादव भिलाई मिलाप देवांगन और रायपुर की रामबती बाई और उनके साथियों ने बताया कि प्रदर्शनी में मजदूरों के फायदे की योजनाएं बहुत ही अच्छे ढंग से बताई जा रही है।

अवैध रूप से लगे बैनर व पोस्टर को निगम ने हटवाया

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत अवैध बैनर एवं पोस्टर को निकालने दुर्ग निगम ने दिनभर कार्रवाई करते हुए 50 से अधिक स्थानों से अवैध बैनर व पोस्टर को निकालकर जप्त की गई। शहर की सुंदरता को बनाए रखने के लिए निगमायुक्त लोकेश चंद्राकार के निर्देश पर क्षेत्र में अवैध बैनर व पोस्टर और गंदगी फैलाने एवं सड़क बाधा पोस्टर को हटाने की कार्यवाही की गई। इन क्षेत्रों से बैनर पोस्टर निकाले गए जिनमे ठगड़ा बांध ओवरब्रिज, मुख्य मार्ग जीई रोड,चंडी मंदिर, कंकालिन मंदिर के आस पास, सदर बाजार चौक, पटेल चौक जवाहर चौक, शनिचरी बाजार, पोलसाय पारा सहित अन्य सड़कों से अवैध पोस्टर एवं अवैध होर्डिंग हटाए गए। अतिक्रमण प्रभारी शिव शर्मा के नेतृत्व में सार्वजनिक एवं शासकीय स्थानों का भी निरीक्षण कर हटाने की कार्रवाई की जा रही है। आवागमन में सुविधा बनाने तथा शहर सौंदर्यीकरण के लिए अवैध बैनर पोस्टर आदि को हटाने की कार्रवाई की जा रही है, कई स्थानों पर यह सड़क बाधा का भी कारण बन रहे हैं।

योजनाबद्ध तरीके से पैरादान महाअभियान में पैरे का किया जाएगा संचयन - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गोवर्धन पूजा से शुरू होने वाले पैरादान महाअभियान पर पैरे के कलेक्शन प्रबंधन को लेकर आज कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा द्वारा समय सीमा की बैठक में चर्चा शुरूआत की गई। जिसमें उन्होंने जिला पंचायत सी.ई.ओ. को योजनाबद्ध तरीके से इसका संचालन करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने गौठानों में उपस्थित गाय और लावारिस गाय जिन्हें की गौठानों में लाया जाता है, उनके आंकड़ों को इकट्ठा करने के लिए कहा। ताकि गौठानों पर्याप्त चारा पशुधन के लिए उपयोग हो।

उन्होंने नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को जनपद पंचायत सीइओ के साथ आपसी समन्वय स्थापित कर उनके निकटतम गांवों को चिन्हित करने के लिए कहा। जहां से पैरे का उठाव सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने ग्राम सचिव, गौठान समिति के अध्यक्ष को भी सक्रिय रूप से उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा पैरे का उठाव शीघ्र से शीघ्र हो इसके लिए उन्होंने ट्रेक्टर और मजदूर अलग से व्यवस्थित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। गौठानों में क्रियान्वित किए जाने वाले विभिन्न अजीविका मूलक गतिविधियों पर भी चर्चा की गई। जिसमें लोकल मार्केट की डिमांड वैल्यु पर रिसर्च करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया ताकि गौठानों में डिमांड के अनुरूप ही नवीन आजीविका मूलक गतिविधियों का निर्धारण किया जा सके।

एक बड़े स्तर पर आजीविका मूलक गतिविधियों को कैसे शुरू किया जाए इस पर मीटिंग में विस्तार से चर्चा हुई। जिसमें जिला पंचायत सीइओ द्वारा बताया गया कि व्यापक स्तर पर 20 बाड़ियों में गतिविधियां शीघ्र ही शुरू होने वाली हैं। जिनमें बड़े स्तर पर एक ही प्रकार की सब्जियों का उत्पादन किया जाएगा। कलेक्टर ने मीटिंग में प्रशासन की ओर से सामाजिक सुधार कार्य का क्रियान्वयन करने की भी बात कही। जिसमें उन्होंने चौक-चौराहों में भिक्षा मांगने वाले महिलाओं, बच्चों और बुढ़ों को चिन्हित कर उनके परिवारजनों का संपर्क सूत्र संग्रहण करने के लिए संबंधित विभाग को दायित्व सौंपा है। इन संपर्क सूत्रों के माध्यम से उनके परिवारजनों से संपर्क स्थापित कर उन्हें उनके मूल निवास स्थान पर वापस भेजने के लिए सुव्यास्थापित कार्य योजना बनाई जाएगी। भिक्षा मांगने वाले इन व्यक्तियों की काउंसलिंग भी की जाएगी। जो लोग शारिरिक रूप से सक्षम हैं उन्हें काउंसलिंग के माध्यम से प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा कि वो लोग स्वरोजगार के माध्यम से समाज में अपने नई पारी की शुरूआत करें।

वर्तमान में जिले में 13 मोबाईल एम्बुलेंस स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी सुविधाएं दे रही हैं। आम जन की सक्रियता इस मोबाईल एम्बुलेंस के साथ और बेहतर स्तर से स्थापित हो इसके लिए कलेक्टर ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निर्धारित किए गए परमानेंट शेड्युल का प्रचार-प्रसार और व्यापक स्तर पर करने के लिए निर्देशित किया।

ऊर्जा विभाग का स्टॉल लुभा रहा, टच स्क्रीन के माध्यम से सही जवाब दे रहे लोग हो रहे पुरस्कृत

ऊर्जा विभाग के स्टाल में 'खेलबो जितबो- बिजली ला जानबो' प्रतियोगिता के लिए लोगों का आकर्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। साइंस कालेज मैदान में आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव परिसर में ऊर्जा विभाग की विकास प्रदर्शनी में 'खेलबो जितबो- बिजली ला जानबो' प्रतियोगिता लोगो को सहज ही आकर्षित कर रही है। कम्पयूटर के माध्यम से आयोजित इस प्रतियोगिता में बिजली से संबंधित सामान्य जानकारी वाले प्रश्नो के उत्तर टच स्क्रीन के माध्यम से देना होता है। प्रतिभागियो को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार भी दिये जाते है।

प्रदर्शनी में हाफबिजली बिल योजना की जानकारी भी कम्प्यूटर के माध्यम से उपलब्ध करायी जा रही है। उपभोक्ताओं के बीपी नम्बर या पंजीकृत मोबाईल नम्बर स्क्रीन पर टाइप करने से हाफ बिजली बिल योजना के तहत अब तक प्राप्त छूट की कुल राशि का प्रमाण पत्र भी उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।

कुम्हारी निवासी देवेंद्र विश्वकर्मा, ग्राम भोथली निवासी श्याम लाल साहू ने बताया कि साढ़े तीन वर्षों में हाफ बिजली बिल योजना के तहत 20,000 रूपये से अधिक की राशि की बचत हुई है। इस योजना के लागू होने के पूर्व हमें भारी भरकम बिजली बिल से आर्थिक परेशानी होती थी। उन्होंने हाफ बिजली बिल योजना शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया है।

स्टाँल में माँडल व आडियो-वीडियो के माध्यम से बिजली उत्पादन की क्षमता विकास, बिजली के उपयोग से संबंधित सावधानी विभागीय योजनाओ की उपलब्धियो, ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत सोलर ऊर्जा आदि की भी जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा मोर बिजली एप्प में उपलब्ध सुविधाओं को भी विस्तार से बताया जा रहा है।

कलेक्टर ने किया पचेड़ा धान खरीदी केन्द्र का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के साथ ही रायपुर जिले के धान खरीदी केंद्रों में चालू खरीफविपणन वर्ष में समर्थन मूल्य में धान खरीदी की शुरु हो गई है।कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने आज पचेड़ा के धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया और खरीदी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने खरीदी केंद्र में किए गए आवश्यक व्यवस्थाओं, धान खरीदी की दरों, पंजीकृत किसानों की संख्या, फ्ड की व्यवस्था का जायजा लिया और धान खरीदी के लिए समितियों में की गई तैयारियों से संतुष्टि जताई।

कलेक्टर डॉ भुरे ने धान खरीदी में एप के माध्यम से टोकन की व्यवस्था के सम्बंध में समिति के सदस्यों से चर्चा की और किसानों के लिए प्रारंभ किए गए इस सुविधा के संबंध में किसानों को अधिक से अधिक जानकारी देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नई ऑनलाईन टोकन व्यवस्था से किसानों को टोकन के लिए धान खरीदी केन्द्र आने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे भीड़ में कमी आएगी। इस अवसर पर खाद्य विभाग, विपणन, सहकारिता विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बताया कि धान खरीदी के लिए जिले में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। कांटा बाट, कम्प्यूटर, नमी मापक यंत्र सहित अन्य आवश्यक सामग्री का सत्यापन कर लिया गया है। धान खरीदी के दौरान धान के अवैध परिवहन, भंडारण और व्यापार पर नियंत्रण के लिए भी व्यापक व्यवस्थाएँ की गई हैं।

झारखंड की समृद्ध परंपरा नजर आई 'हो' नृत्य में, प्रकृति के प्रति आस्था का प्रतीक है यह नृत्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में पड़ोसी राज्य झारखंड के कलाकारों ने 'हो नृत्य' के माध्यम से समां बांध दिया। झारखंड का यह नृत्य प्रकृति के प्रति लोगों की गहरी आस्था का प्रतीक है। हो नृत्य के माध्यम से जनजातीय कलाकार लोकजीवन की समृद्धि और उन्नति की कामना करते हैं।

मांदर की थाप में प्रकृति के साथ सहभागिता दिखाने का अद्भुत नृत्य

इस नृत्य में पुरुष कलाकारों ने श्वेत वस्त्र पहने थे और महिला कलाकारों ने झारखंड में प्रचलित साड़ी पहनी थी। सिर पर मोरपंख लगे थे और हाथों में मृदंग था। मांदर के थापों में नृत्यरत कलाकार प्रकृति की अद्भुत लय प्रस्तुत कर रहे थे।

मांदर की थाप के साथ कलाकारों की पदचाप बहुत अच्छी लग रही थी। झारखंड के इन कलाकारों के वस्त्रों में रंग चटखीले नहीं थे लेकिन इन्हें पहनने का खास तरीका और कलाकारों की अद्भुत सजावट और स्थानीय आभूषण कलाकारों की कला की चमक में चार चाँद लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि झारखंड का लोकजीवन बहुत ही समृद्ध है और हो नृत्य के माध्यम से वहां की खास परंपराओं की झलक भी कलाकारों ने दिखाई।

शिव महापुराण कथा की तैयारियां जोरों पर, 9 से 13 तक होगी कथा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में पहली बार आयोजित होने वाली शिव महापुराण कथा की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शिव महापुराण के कथावाचक होंगे पंडित प्रदीप मिश्रा (सिहोर वाले)। कथा 9 से 13 नवंबर तक होगी।

रायपुर में आयोजित होने वाली विजय मिश्रा की यह पहली शिव महापुराण कथा है। जिसमें बड़ी संख्या में न केवल शहर, राज्य बल्कि आसपास के प्रांतों से भी उनके भक्तों और श्रद्धालुओं के आने की संभावनाओं को देखते हुए व्यवस्था को काफी चाक-चौबंद किया जा रहा है।

सुरक्षा की दृष्टि से भी आयोजकों ने अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कोई काठ-कसर नहीं छोड़ी है। इसी कड़ी में बुधवार को पुलिस विभाग के अधिकारियों की एक टीम ने कथा स्थल का जायजा लिया तथा श्रद्धालुओं के आने और जाने का मार्ग तथा सुरक्षा के इंतजामों को देखा और परखा। लगभग 2 लाख वर्गफुट में विशाल पंडाल का निर्माण किया गया है। पूर्व मंत्री राजेश मूणत व सांसद सुनील सोनी भी बुधवार को कथा आयोजन स्थल पर पहुंचे और वहां चल रही तैयारियों को देखने के बाद उस पर संतोष जाहिर किया।

पंडित प्रदीप मिश्रा का 8 नवंबर को रायपुर पहुंचेंगे। शाम को भारत माता चौक के पास में उनका जोशीला स्वागत किया जाएगा और भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो हनुमान मंदिर शुक्रवारी बाजार, पहाड़ी चौक से गुढियारी भ्रमण करते हुए कथा स्थल दही हांडी मैदान गुढियारी पहुंचेगी। कथा रोजाना 1 बजे से शाम 4 बजे तक होगी।

यह जानकारी गुढियारी हनुमान मंदिर ट्रस्ट व आयोजक परिवार के बसंत अग्रवाल ने दी। आयोजन में दीनानाथ शर्मा, वार्ड पार्षद विनोद अग्रवाल, प्रकाश माहेश्वरी, विजय जाडेजा, महेश शर्मा, हेमंत साहू, ओमप्रकाश बाजारी, सुनील बाजारी, शंकर जोशी, रतनलाल गोयल, शैलेंद्र दुग्गड़, अभिषेक अग्रवाल, डा. अन्नू साहू, मेमन, सुंदरलाल जोगी, गज्जू साहू, पुरुषोत्तम देवांगन, एडरमेन रवि सहित मंदिर ट्रस्ट तथा आयोजक परिवार के सदस्यगण दिन रात अपनी सेवाएं और दायित्वों के साथ आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए है। जिनमें महिलाएं भी अपने-अपने स्तर पर आयोजन की तैयारियों में सहभागिता दे रही हैं।

असम के बालमफा नृत्य की प्रस्तुति दी गई

रायपुर। अरुणाचल की लोकसंस्कृति में मृत्यु के पश्चात आत्मा से संवाद लोकनृत्य के माध्यम से होता है। सामान्य मौत की स्थिति में परिजनों के मृत्यु के चार-पांच दिन तक उपवास रखा जाता है और इस अवधि में मृतात्मा से संवाद लोकनृत्य के माध्यम से होता है। यह संवाद इदुमिस्थि जनजाति द्वारा किया जाता है। अपने पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ यह संवाद किया जाता है। उल्लेखनीय है कि अनेक जनजातियों में मृतात्मा के साथ ऐसे संवाद की परंपरा रही है और बहुत समृद्ध परंपरा रही है। ऐतिहासिक रूप से भी मृत्यु संबंधी अनेक लोकमान्यताएं जनजातीय समुदाय में मिलती हैं। उल्लेखनीय यह भी है कि इगु नृत्य का प्रदर्शन केवल सामान्य मौत में ही होता है।

खास खबर

मकान में कब्जे का पोस्टर चिपाकर रुपए मांग रहा बदमाश

बिलासपुर (ए)। सरकंडा क्षेत्र के निर्माणाधीन मकान में कब्जे का पोस्टर चिपकाकर बदमाश महिला से जबरन रुपए मांग रहे हैं। रुपए देने से मना करने पर महिला को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। महिला ने इसकी शिकायत सरकंडा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। तोरवा क्षेत्र के देवरीडीह पुराना पावर हाउस में रहने वाली शैला साहू ने धमकाने और निर्माणाधीन मकान में जबरन कब्जा करने की शिकायत की है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि मोपका के विवेकानंद नगर में उनकी स्वयं की जमीन है। इसमें मकान बनाने के लिए उन्होंने यूनियन बैंक से 30 लाख रुपए का लोन लिया है। मकान बनाने के लिए उन्होंने रुद्र इंफोटेक के रविशंकर सोनी को ठेका दिया था। रविशंकर ने रुपए लेकर मकान पूरा नहीं बनाया। इसी बीच रविशंकर की मौत हो गई। महिला ने मामले में रुद्र इंफोटेक के खिलाफ रेरा में शिकायत की। इसकी सुनवाई में रेरा की ओर से रुद्र इंफोटेक के भागीदार संचालकों को 25 लाख 87 हजार 347 रुपए पीड़ित को देने का आदेश दिया गया। ठेका कंपनी को एक लाख 91 हजार रुपए दो महीने के भीतर देने के निर्देश दिए गए। यह रकम महिला को नहीं मिला है। इधर दयालबंद में रहने वाले ऋषभ पनिकर ने उनके निर्माणाधीन मकान में कब्जे का पोस्टर चिपका दिया है।

महिला ने बताया कि ऋषभ पनिकर से उनका कोई लेनदेन नहीं है। मकान निर्माण का ठेका देते समय भी ऋषभ भागीदार नहीं था। महिला ने बताया कि आरोपित ऋषभ पनिकर दबाव बनाकर रुपए की मांग कर रहा है। रुपए देने से मना करने पर वह जान से मारने की धमकी देता है। महिला ने घटना की शिकायत सरकंडा थाने में की है। पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। दयालबंद में रहने वाले ऋषभ पनिकर ने अप्रैल 2022 में तोरवा निवासी व्यवसायी मनोज उभरानी पर जानलेवा हमला किया था। मामले की शिकायत तोरवा थाने में की गई। इस बीच आरोपित अपने ठिकाने से फरार हो गया। पुलिस की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आरोपित को गिरफ्तार कर कार्रवाई की।

हत्या का आरोपी खुलेआम चला रहा जुए की फड़

सीएसपी ने 14 लोगों की टीम के साथ मारा छापा, 4 जुआरी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के सुपेला थाना और स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में हत्या का आरोपी तारकेश खुलेआम जुए की फड़ चला रहा है। दुर्ग पुलिस एक तरफउसे गिरफ्तार कर यूपी पुलिस को सौंपने का दावा कर रही है, दूसरी तरफवह खुलेआम शहर में घूम रहा है। इसका खुलासा तब हुआ जब सीएसपी भिलाई नगर की टीम ने जुए की फड़ में छापेमारी की। छापेमारी में गिरफ्तार जुआरियों ने बताया कि जुए की फड़ तारकेश चला रहा है और वह छापेमारी से कुछ समय पहले तक वहां मौजूद भी था। इसके बाद वह वहां से चला गया और कुछ देर बाद वहां रेड पड़ गई।

एसपी दुर्ग के निर्देश पर पूरे जिले में जुआ सट्टा बंद होने के बाद भी सुपेला थाना के स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में काली मंदिर के पास जुए की फड़ चल रही थी। इसके बाद भी सुपेला थाना प्रभारी और स्मृति नगर चौकी प्रभारी का दावा था कि उनके क्षेत्र में कहीं भी जुआ-सट्टा नहीं चल रही है। भिलाई नगर सीएसपी निखिल रखेचा इस पर कार्रवाई की योजना बना रहे थे। किसी ने उन्हें बताया कि छापेमारी के बारे में यदि सुपेला और स्मृति नगर चौकी के स्टॉफ को पता चला तो वो पहले ही जुआरियों को सूचित कर देंगे।

सीएसपी रखेचा ने अपनी 14 लोगों की एक टीम तैयार की बुधवार शाम अड्डे पर छापेमार कार्रवाई कर दी। टीम को आता देख जुआरी वहां से भाग खड़े हुए। सीएसपी ने यहां चार जुआरियों को गिरफ्तार कर 49,760 रुपए और ताश की पत्ती जब्त की। गिरफ्तार आरोपियों में जुनवानी निवासी रोशन साहू (30 साल), सेक्टर 5 निवासी जी वेंकट, चरोदा निवासी मोहन यादव (41 साल) और गदाचौक सुपेला निवासी श्यासुंदर (62 साल) शामिल थे।

2 बजे तक मौजूद था तारकेश

श्याम सुंदर ने बताया कि न्यू आर्य नगर काली मंदिर के पास जहां जुआ खेला जा रहा था वह फड़ काफी समय से तारकेश और दद्दू नाम के युवक मिलकर चला रहे थे। उसने बताया कि बुधवार को दोपहर 2 से ढाई बजे तक तारकेश वहां मौजूद भी था। इससे साफ है कि तारकेश अभी भी दुर्ग शहर में खुलेआम घूम रहा है और दुर्ग पुलिस उसे फरार बता रही है।

भागने के लिए बनाया था लकड़ी का पुल

काली मंदिर के पीछे जिस जगह पर जुआ खिलवाया जा रहा था, वहां पहुंचने के मात्र दो रास्ते थे। एक रास्ता काली मंदिर की तरफ से और दूसरा नाले को पार करके। जुआरियों ने नाले में एक छोटा सा लकड़ी का पुल बना रखा था। जिससे पुलिस रेड मारेगी तो वह पुल से नाला पार करेंगे और चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज की तरफ से भाग जाएंगे। हुआ भी ऐसा ही। जैसे ही सीएसपी की टीम वहां पहुंची तो जुआरी वहां से भागने लगे। इस तरह 14 लोगों की टीम ने सिर्फ 4 जुआरियों को ही गिरफ्तार कर सकी।

रात में जुआ खिलाने के लिए लिया था अवैध बिजली कनेक्शन

सीएसपी निखिल रखेचा ने बताया कि मंदिर के पास जुए की फड़ दिन और रात दोनों समय चलती थी। रात के समय खेलने के लिए बाकायदा अवैध रूप से बिजली का कनेक्शन लिया गया था। मौके पर बिजली कनेक्शन और लाइट के साक्ष्य मिले हैं।

सुपेला और स्मृति नगर पुलिस पर कार्रवाई नहीं

एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव के निर्देश के बाद भी सुपेला और स्मृति नगर पुलिस की नाक के नीचे काफी लंबे समय से जुआ का फड़ चल रहा था। यहां के जिम्मेदार अधिकारी जुआ न खेले जाने का दावा भी कर रहे थे। सीएसपी की रेड ने उनके दावे की पोल खोल दी। इसके बाद भी इनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसा कहा जा रहा है कि सुपेला थाने के एक सिपाही की सेटिंग पर ही ये सारा जुआ चल रहा था। अधिकारियों को उसके बारे में काफी शिकायतें मिली हैं। इसके बाद भी वह अपने मनचाहे थाने में सालों से जमा हुआ है।

भिलाई के शेयर कारोबारी की हत्या कर शव के टुकड़े नदी में बहाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महज डेढ़ लाख के लिए भिलाई स्मृति नगर में रहने वाले शेयर ट्रेडिंग व्यवसायी निलेश डेहरे की उसके ही मुंहबोले मामा ने अपने छह दोस्तों के साथ मिलकर हत्या कर दी। हत्या के बाद युवक के शव के टुकड़े-टुकड़े कर उसे बोरियों में भरकर नदी में बहा दिया था। व्यवसायी की गुमशुदगी की सूचना पर पुलिस ने मोबाइल डिटेल खंगाला तो आखिरी लोकेशन सिमगा मिला। इसी आधार पर पुलिस ने संदेहियों पर शिकंजा कसा तब जाकर हत्या का यह राज खुला। बुधवार को पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर महासमुंद के जंगल से शव का एक हिस्सा बरामद किया है।

भिलाई में किराए से रहता था व्यवसायी

दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि मृतक मूलत: बेमेतरा का निवासी था। वह स्मृति नगर में किराए के मकान में रहता था। वह 7 अक्टूबर से गायब था। 17 अक्टूबर को परिजनों ने स्मृति नगर चौकी में बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतक के मामा मोंटू को हिरासत में लेकर पूछताछ किया तब उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।

फॉर्म हाउस में जमकर पीटा

आरोपी मामा ने बताया कि उसने अपने छह दोस्तों के साथ मृतक को जमकर पीटा जिससे उसकी मौत हो गई। उसके बाद शव को तीन बोरियों में भरकर शिवनाथ में नदी में बहा दिया था। एक बोरी को आरोपी ने जंगल में फेक दिया था। पुलिस ने बताया कि फिलहाल इस मामले में मुख्य आरोपी सहित कई अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आज पुलिस इस मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके वारदात के अन्य पहलुओं का खुलासा करेगी।

सनकी पति ने सो रही पत्नी पर किया धारदार हथियार से हमला फिर खुद भी लगा ली फांसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। मानसिक रूप से परेशान एक सनकी पति ने पहले अपनी पत्नी पर धारदार हथियार से वार किया उसके बाद खुद फांसी का फंदा बनाकर झूल गया। घटना जिले के गुंडरदेही ब्लॉक मुख्यालय से 7 किमी दूर ग्राम साजा की है। पति के हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। वहीं पति के आत्महत्या के बाद परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी है।

किया धारदार हथियार से हमलापरिजनों के मुताबिक ग्राम साजा निवासी हरिशंकर साहू (38) लगभग 4 वर्षों से मानसिक रूप से परेशान है। वह घर और कृषि कार्य कर लेता था। सोमवार को धान कटाई के लिए खेत गया था। परिजनों ने बताया कि मंगलवार को सुबह करीब 4 बजे अपनी पत्नी हेमलता साहू पर अचानक उसने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हेमलता ने जैसे-तैसे भागकर अपनी जान बचाई। अपने छोटे बच्चे के साथ मायके चली गई। परिजनों ने महिला को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुंडरदेही पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। फिलहाल पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

कुल्हाड़ी मारकर ग्रामीण की हत्या

दोपहर से लापता पत्नी ने वापस लौटकर साधी चुप्पी, परिवारवालों के बयान में विरोधाभास

कांकेर (ए)। कांकेर जिले के ग्राम निशानहर्रा के खासपारा में एक ग्रामीण की मंगलवार को कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई। परिवार को हत्या की जानकारी तब हुई, जब मृतक भानूराम मंडावी का भतीजा उसे ढूंढते हुए घर पहुंचा। वारदात कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई।

भानूराम के भतीजे रायसिंह मंडावी ने कहा कि 2 नवंबर की सुबह जब वो अपने खेत पर जा रहा था, तो चाचा को उनके घर के सामने देखा था। शाम करीब 4 बजे खेत से लौटते वक्त जब वो चाचा भानूराम मंडावी के घर की ओर से गुजरा, तो उनका दरवाजा खुला देख अंदर चला गया। वहां कोई नजर नहीं आया। चाचा-चाची को आवाज लगाते हुए जब अंदर कमरे में गया, तो वहां बिस्तर पर चाचा भानूराम मंडावी की लाश पड़ी हुई थी।

भतीजे रायसिंह ने बताया कि चाचा के शव को देख उसके होश उड़ गए। शव के गले पर धारदार हथियार से वार करने का निशान था। पूरा बिस्तर खून से सना हुआ था। पास में ही एक कुल्हाड़ी पड़ी हुई थी। उस पर भी खून लगा हुआ था। उसने अपनी चाची सतारो मंडावी की तलाश की, लेकिन वो नहीं मिली। रात 9 बजे चाची वापस घर आई, मगर उसने भी चुप्पी साध रखी है। वो किसी से बात नहीं कर रही। मंगलवार की पूरी रात लाश ऐसे ही बिस्तर पर पड़ी हुई रही। बुधवार को हत्या की जानकारी गांव के सरपंच और पुलिस को दी गई।

कोतवाली थाना प्रभारी शरद दुबे ने बताया कि अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि क्राइम सीन को देखकर ऐसा लग रहा है कि हत्यारा कोई करीबी ही हो सकता है। पुलिस सभी एंगल से जांच में जुटी हुई है। डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक एक्सपर्ट की भी मदद ली जा रही है।

परिवार के सदस्यों से गहन पूछताछ

हत्या को लेकर शक की सुई परिवार वालों पर ही है। पत्नी ने बताया कि वो दोपहर में कहीं चली गई थी, हालांकि उसकी बातों से साफ जाहिर है कि वो कई बातों को छिपा रही है। मृतक की दोनों बेटियां भी गांव में आई हुई हैं। बेटियां भानूराम मंडावी के ही दूसरे घर में थीं। इसके अलावा परिवार के अन्य सदस्यों के बयान भी विरोधाभासी हैं। पुलिस सभी से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस ने कहा कि जल्द ही हत्याकांड का खुलासा हो जाएगा और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

केनाल रोड में पार्क भारी वाहनों पर कार्रवाई

12 हैवी वाहनों का काटा गया चालान

भिलाई (ए)। भिलाई की यातायात ने बुधवार को नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। ट्रैफिक पुलिस ने केनाल रोड में गश्त की। इस दौरान वहां 12 भारी वाहन नो पार्किंग एरिया में खड़े पाए गए। यातायात पुलिस ने इन सभी के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। इस दौरान यातायात पुलिस चेतावनी भी दी है कि यदि भविष्य में केनाल रोड में भारी वाहन खड़े मिले तो उनके खिलाफ फिर से कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक डीएसपी सतीश ठाकुर ने बताया कि सड़क दुर्घटना के मुख्य कारणों में से एक बड़ा कारण नो पार्किंग जोन में पार्क वाहन हैं। इसी को देखते हुए इसके खिलाफ निरंतर कार्रवाई की जा रही है। पूर्व में भी यातायात पुलिस ने केनाल रोड में खड़े भारी वाहनों पर नोटिस चस्पा की कार्रवाई की थी। इसके साथ वाहन मालिकों को यातायात कार्यालय नेहरूनगर बुलाकर उक्त मार्ग पर वाहन ना खड़ा करने के लिए समझाइश देते हुए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई थी। इसके बाद देखने मे यह मिला है कि लोग लगातार यहां वाहनों को पार्क कर दे रहे हैं। यातायात पुलिस दुर्ग को लगातार शिकायत मिलने के बाद बुधार को टीम बनाकर इस पर कार्रवाई की गई।

यातायात पुलिस ने शहर के आम लोगों से अपील की है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। इससे वो अपना और दूसरों का जीवन सुरक्षित रख पाएंगे। इसके साथ ही यातायात से संबंधित किसी भी प्रकार की सुझाव एवं शिकायत हो तो उसके लिए यातायात पुलिस द्वारा जारी व्हाट्सएप नंबर (94791 92029) पर मैसेज भेजें।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड राजेन्द्र पार्क चौक, दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0778–2323633, E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

//ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना//

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत **"डी एवं बी"** श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र **"ए"** में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के विकासखंड दुर्ग/धमधा के निम्नलिखित ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत सिंगल विलेज/मल्टी विलेज योजना में विभिन्न कार्य हेतु ऑनलाईन (online) निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्रमांक	नि.सू.क्र./दिनांक	सिस्टम क्र.	विकासखंड	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	156/28.10.2022	113185	दुर्ग	चन्दखुरी	452.17
2	157/28.10.2022	113186	दुर्ग	कोलिहापुरी	222.67
3	158/28.10.2022	113187	दुर्ग	पिसेगांव	212.94
4	159/28.10.2022	113188	धमधा	महाराजपुर	37.91
5	160/28.10.2022	113189	धमधा	मलपुरीकला	95.12
6	161/28.10.2022	113190	धमधा	लिमतरा	73.19
7	162/28.10.2022	113191	धमधा	अहेरी	98.69
8	163/28.10.2022	113192	धमधा	बिरेभाठ	50.80

नोट :–उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई–प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 07.11.2022 से देखे जा सकते है तथा बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 14.11.2022 है।

कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य
यांत्रिकी खण्ड,
दुर्ग (छ.ग.)

जी-95389/7

महिला व नाबालिग बेटे को बंधक बनाकर की मारपीट

बिलासपुर (ए)। कोतवाली क्षेत्र में नाबालिग और उसकी मां को बंधक बनाकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने इसकी शिकायत तोरवा और कोतवाली थाने में की थी। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर उसने ट्वीट कर मामले की जानकारी पुलिस के अधिकारियों को दी। इसके बाद कोतवाली पुलिस हरकत में आई। आनन-फानन में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर...

बीएसपी ने किया सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता आयोजित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 मनाया जा रहा है। आज की युवा पीढ़ी देश का भविष्य है। युवा पीढ़ी में शामिल नैतिक मूल्य निश्चित रूप से हमारे समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करेंगे। अत: भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के प्रति हमारे समाज के युवा मन को संवेदनशील बनाने के साथ-साथ विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत के महत्व को प्रतिपादित करने के लिए बीएसपी के सतर्कता विभाग द्वारा पीजी नर्सिंग कॉलेज, भिलाई में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय था एक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत का महत्व। प्रतियोगिता प्रारंभ होने के पहले महाप्रबंधक (सतर्कता) संदीप गुप्ता ने सभी को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। प्रतियोगिता में कुल 16 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक प्रोफेसर डॉ अभिलेखा बिस्वाल, प्राचार्य पी जी नर्सिंग कॉलेज और वरिष्ठ प्रबंधक (लॉ) के एस शर्मा थे। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साह दिखाते हुए अपनी प्रतिभागिता दी तथा भ्रष्टाचार मुक्त भारत के महत्व पर अपने विचार रखे। इस प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार विजेता क्रमष: जेसिका नीजू, दीपिका प्रियदर्शनी और नूतन निराला हैं। सांत्वना पुरस्कार विजेताओं में स्वाति यादव और क्रिस्टीना पी.यू. शामिल है। सभी प्रतिभागी छात्रों को टोकन उपहार वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन चंद्रकला लिल्हारे ने किया।

देश भर के कलाकारों ने भिलाई में शिल्पकला को दिए नए आयाम

भिलाई। राम रक्षा फाउंडेशन भिलाई की ओर से चीनी मिट्टी (सिरेमिक) और टेराकोटा (मिट्टी) कला पर तीन दिवसीय विशेष कार्यशाला ''मातर'' का रविवार 31 अक्टूबर की शाम समापन हो गया। लेमन सिरेमिक स्टूडियो स्ट्रीट-2 मैत्री कुंज पश्चिम रिसाली में आयोजित इस कार्यशाला में देश भर से आए हुए शिल्पकारों ने तीन दिन तक एक साथ रह कर अपनी कला को नए आयाम दिए। समापन अवसर पर सभी शिल्पकारों से आदिवासी लोक कला अकादमी छत्तीसगढ़ शासन के अध्यक्ष नवल शुक्ल ने संवाद किया। इस दौरान शिल्पकारों ने डिजिटल प्रस्तुतीकरण दिया। जिस पर नवल शुक्ल ने समीक्षात्मक टिप्पणी की। सभी कलाकारों ने अपने कार्य की चर्चा की तथा अपनी कलाकृतियों के विषय व माध्यम के बारे में बतलाया। इस दौरान विशेष रुप से उपस्थित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त डीन एसपी चौधरी व प्रख्यात चित्रकार सुनीता वर्मा के साथ छत्तीसगढ़ कला अकादमी के अध्यक्ष योगेंद्र त्रिपाठी व लेमन सेरेमिक स्टूडियो की निदेशक विजया त्रिपाठी मौजूद रहे। शिल्पकारों से उनकी कला पर चर्चा करने क्यूरेटर चिरायु सिन्हा व प्रसिद्ध चित्रकार हुकुम लाल वर्मा उपस्थित थे। औपचारिक चर्चा में आदिवासी लोक कला अकादमी के अध्यक्ष नवल शुक्ल ने कहा कलाकार स्वयं स्वयं की मौलिक कलाकृति के साथ पहचान बनाए तो बेहतर होगा। विभिन्न माध्यमों में तैयार की गई कला में कलाकार का अस्तित्व दिखना बेहद आवश्यक है। वही उसकी पहचान भी होती है। चित्रकार हुकुम लाल वर्मा ने कलाकारों को विभिन्न रंग माध्यमों से कलाकृति को बेहतर बनाना और गंभीरता से कलाकारी व कला के कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। शिल्पकारों का डिजिटल प्रस्तुतीकरण एक छोटे हॉल में लेमन सेरेमिक स्टूडियो में आयोजित किया गया।

रोप लाइट से जगमग हुई सड़कें, राहगीरों की राह हुई आसान, रात में दिखने लगा आकर्षक नजारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत सड़कों पर आवाजाही करने वालों को एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है। भिलाई शहर की कई सड़कें अब रोप लाइट से जगमगा रही है। सूरज ढलने के बाद रात्रि में यह लाइट चालू हो जाती है। पोल में रोप लाइट लगाया गया है, जिससे गुजरने वाले राहगीरों को एक अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है।

सफेद रोशनी से राहगीरों को आवाजाही में भी आसानी हो रही है साथ ही सड़कों की सुंदरता में भी चार चांद लग गए हैं। महापौर नीरज पाल के प्रयासों से वैशाली नगर क्षेत्र के सभी प्रमुख सड़कों का सौंदर्यीकरण कार्य किया जाएगा। इसकी विस्तृत रूपरेखा तैयार कर ली गई है। नेशनल हाईवे से शहर की ओर जाने वाले अधिकतर सड़कों को इसमें शामिल किया गया है।

कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा के निर्देश पर निगम आयुक्त ने तत्परता से काम किया है इसी कड़ी में निगम आयुक्त रोहित व्यास ने निरीक्षण के दौरान आकर्षक रोप लाइट लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे, अब भिलाई की सड़कें इससे रौशन हो रही है। इसी तारतम्य में नेहरू नगर चौक से सूर्या मॉल चौक तक के पोल में रोप लाइट लगाई गई है, यही नहीं कैंप क्षेत्र के 18 नंबर रोड में भी रोप लाइट अपनी चमक दिखा रहा है, लाइट लगाने का काम अन्य सड़कों में भी किया जा रहा है। यदि प्रमुख सड़कों की बात करें तो, नेहरू नगर चौक से सूर्या मॉल चौक, सुपेला चौक से राजेंद्र प्रसाद चौक, कर्मा चौक से भगवा मंदिर चौक, दर्शन मंदिर रोड, आईटीआई से गौतम नगर, खुर्सीपार गेट से श्रीराम चौक, जोन तीन गेट से अशरफी मस्जिद रोड, बसंत टॉकीज से जलेबी चौक होते हुए सुभाष चौक, राधिका नगर टोल प्लाजा से राधिका नगर चौक, टोल प्लाजा से कोसा नाला रोड की सड़को के सौंदर्यीकरण व विकास की कार्ययोजना है।

नए राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे से वरिष्ठ विधायक वोरा ने की मुलाकात... कहा-

सांस्कृतिक संवर्धन, जनसशक्तिकरण एवं सुराज में भूपेश सरकार अव्वल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दिल्ली प्रवास के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा ने अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के नव निर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से सौजन्य भेंट कर उन्हें देश की सबसे बड़ी पार्टी का अध्यक्ष चुनाव जीतने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

श्री खड़गे ने विधायक वोरा के पिता एवं दिग्गज कांग्रेसी मोतीलाल वोरा के साथ कांग्रेस के लिए 5 दशकों तक साथ काम करने के दिनों को याद करते हुए उन्हें कई संस्मरण बताए साथ ही प्रदेश संगठन के क्रियाकलापों एवं राज्य सरकार के कामकाज के बारे में पूछा।

वोरा ने त्वरित जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी नीतियों की फेहरिस्त बताते हुए कहा कि प्रदेश में भूपेश बघेल के नेतृत्व में चल रही सरकार राज्य की पुरातन सभ्यता सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ ही नागरिकों के आर्थिक सशक्तिकरण एवं सुलभ सुराज में पूरे देश मे अव्वल है। उन्होंने खड़गे को बताया कि अन्नदाताओं को ना सिर्फ धान का बल्कि कई अन्य फसलों के लिए सर्वाधिक समर्थन मूल्य दिया जा रहा है, आदिवासी क्षेत्रों में वनोपजों की खरीदी, भूमिहीन मजदूर न्याय, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना से प्रदेश की जनता लगातार आर्थिक रूप से सशक्त एवं सम्पन्न हो रही है। स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश एवं मॉडल बन कर उभरा है, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम विद्यालय, कॉलेज खोले जाने एवं शासकीय अस्पतालों में लगातार सुविधाओं के विस्तार आधुनिकीकरण व धन्वंतरि सस्ती दवा दुकानों से ना सिर्फ आम जनता को स्तरीय सुविधाएं एवं बचत प्राप्त हो रही है बल्कि निजी क्षेत्रों की मनमानी पर भी रोक लगी है।

राम वनगमन पर्यटन परिपथ, छत्तीसगढ़िया ओलंपिक जैसे कार्यों से प्रदेश वासियों को पुरखों के गौरव का आभास हुआ है। लगातार शासकीय पदों पर भर्ती एवं राजीव युवा मितान जैसी योजनाओं के कारण सम्पूर्ण देश मे सबसे कम बेरोजगारी दर छत्तीसगढ़ में दर्ज की गई है। खड़गे ने वोरा को संगठनात्मक चर्चा के बाद सरकार की उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

6 नवंबर को मैराथन दौड़ से होगी ओलंपिक खेल महोत्सव 2022 की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 6 नवंबर से दुर्ग जिला ओलंपिक खेल महोत्सव का आयोजन पहली बार भिलाई में होने जा रहा है। 6 तारीख को प्रात: 6:00 बजे से सेक्टर 1 क्रिकेट मैदान (नेहरू हाउस ऑफ कल्चर) से मैराथन दौड़ के साथ ओलंपिक खेल की शुरुआत होगी तथा भिलाई के सेंट्रल एवेन्यू से होते हुए शहीद पार्क सेक्टर 5 में इसका समापन होगा, अधिक से अधिक लोग इस मैराथन दौड़ में भाग लेंगे, इसके लिए महापौर नीरज पाल ने भी सभी से इसमें भाग लेने अपील की है। मैराथन दौड़ में पुरुष एवं महिला वर्ग दोनों ही भाग लेंगे और दोनों वर्गों के प्रथम 6 स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए अनुज एन.आई.एस. प्रशिक्षक भिलाई इस्पात संयंत्र के मोबाइल नंबर 9926116160 पर संपर्क किया जा सकता है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए महापौर नीरज पाल, निगम आयुक्त रोहित व्यास, अधिशासी निदेशक कार्मिक एवं प्रशासन मिलिंद गदरे एवं ओलंपिक खेल के महासचिव सुमित पवार ने आज अधिकारियों के साथ खेल मैदान पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान बीएसपी प्रबंधन के अधिकारी निशा सोनी, सुब्रत प्रहराज एवं संजय कुमार, साई राम जाखड़ तथा निगम के अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, सहायक अभियंता वसीम खान एवं उप अभियंता अर्पित बंजारे आदि मौजूद थे।

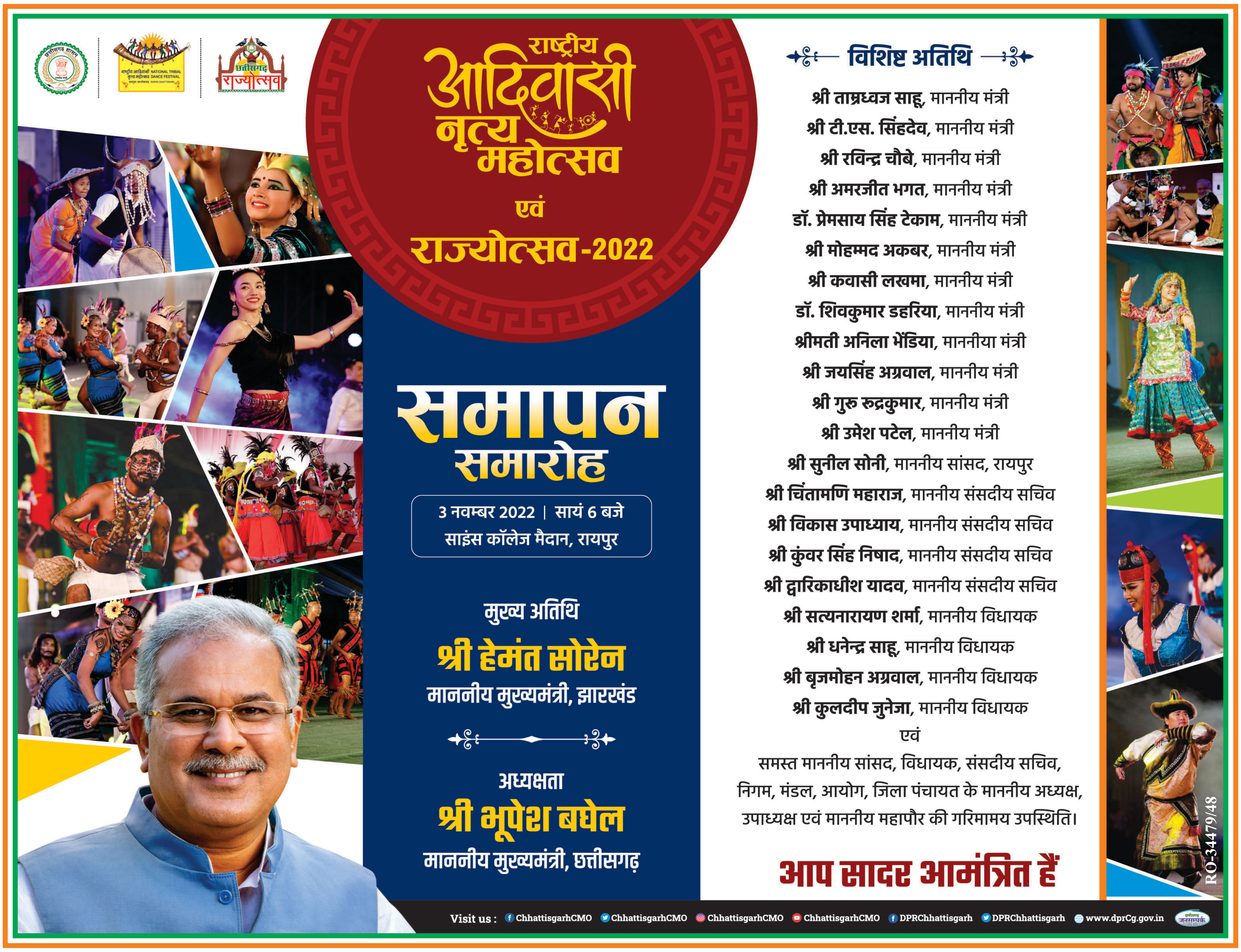

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950